जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 45 संख्याः 221 प्रभात बीकानेर, मंगलवार 5 मार्च, 2024 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

शोधकर्ताओं ने हाल ही में, घाना के सबसे बड़े संरक्षित क्षेत्र, मोल नैशनल पार्क में गंभीर रुप से संकटग्रस्त वल्चर (गिद्ध) की तीन प्रजातियों की खोज की है, जिन्होंने पार्क में घोंसला बनाया हुआ है। पार्क में हुडेड वल्चर्स (नैक्रोसिटीस मॉनैकस) को पहली बार वैज्ञानिकों ने घोंसले के साथ देखा है। तथापि, बाकी दो प्रजातियाँ, वाइट बैक्ड वल्चर्स (जिप्स ऐफ्रिकैन) और वाइट हैडेड वल्चर्स (ट्राइगोनोसैप्स ऑक्सिपिटालिस) देश में कहीं भी, पहली बार घोंसले के साथ नज़र आई हैं। द जर्नल ऑफ रैप्टर रिसर्च में प्रकाशित इस खोज के सह लेखक, निको आर्सीजा ने कहा, ''मोल नैशनल पार्क में, गंभीर रुप से संकटग्रस्त अफ्रीकी वल्चर प्रजाति की चार में से तीन प्रजातियों का मिलना यह दर्शाता है कि, इन संरक्षण क्षेत्रों को सपोर्ट करना कितना महत्वपूर्ण है।'' शोधकर्ताओं का कहना है कि, घाना में मोल नैशनल पार्क इन प्रजातियों के लिए अंतिम संरक्षित क्षेत्र हो सकता है। उन्होंने कहा कि, ''हमारे पास इस बात का कोई सबूत नहीं है कि, घाना में और कहीं भी इनकी उपस्थिति है। उम्मीद है कि, घाना में कुछ और क्षेत्र होंगे जहाँ ये पक्षी रहते हैं, परंतु ये नज़र नहीं आए हैं।'' वर्ष 2020 और 2022 के बीच शोधकर्ताओं ने 31 दिनों तक ट्रकों में और पैदल चलकर पार्क के 761 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में वल्चरों को ढूंढने की कवायद की। शोधकर्ताओं का आकलन था कि, पार्क में 29-36 हुडेड वल्चर, 25-73 वाइट बैक्ड वल्चर तथा केवल 3 या 4 वाइट हैडेड वल्चर होंगे। तथापि, खोज में उन्हें हुडेड वल्चर के 6 घोंसले, वाइट बैक्ड वल्चर के 10 घोंसले और वाइट हैडेड वल्चर का 1 घोंसला मिला। हालांकि, शोधकर्ताओं को अफ्रीका की चौथी, गंभीर रुप से संकटग्रस्त प्रजाति, रुपैल्स वल्चर नज़र नहीं आई, लेकिन, उनका कहना है कि, सूखे के मौसम में यह प्रजाति कभी कभार ही पार्क में आती होगी, जैसा कि, अन्य वैज्ञानिकों द्वारा ली गई तस्वीरों में सामने आया है।

तीसरी बार संसद का चुनाव लड़ने से पूर्व मोदी अपनी छवि में परिवर्तन के प्रयास में?

इस प्रयास का प्रथम संकेत है, जिस प्रकार के टिकट बांटे हैं उन्होंने इस बार

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मार्च। प्रधानमंत्री मोदी, जो तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के प्रयास में लगे हैं, अपनी छवि परिवर्तन करना चाहते हैं, और इसके लिए उन्होंने अपने लिए ''स्टेट्समैन'' की भूमिका चुनी है।

एक रोचक घटनाक्रम में, मोदी ने प्रत्याशियों की जारी हुई पहली लिस्ट में कुछ ऐसे वर्तमान सांसदों के टिकट काटे हैं, जो मुसलमानों के संदर्भ में असमाजिक, अपमानजनक तथा अभद्र भाषा का प्रयोग करते थे। इस प्रयोग के तहत, दक्षिण दिल्ली के सांसद रमेश बिधूड़ी और पश्चिम दिल्ली के परवेश वर्मा को टिकट नहीं दिया गया है, जिन्होंने पूर्व में मुसलमानों के संदर्भ में कठोर शब्दों का प्रयोग किया है।

भोपाल से साध्वी प्रज्ञा ठाकुर को भी इसी कारण टिकट से वंचित रखा गया है और उत्तर प्रदेश व राजस्थान के कुछ वर्तमान सांसदों पर भी यह बात लागू होती है। कई अन्य राज्यों में अभी टिकटों की घोषणा होनी बाकी है। कठोर भाषा का प्रयोग वाले कई सांसदों ने सोचा था कि, अल्पसंख्यकों के लिए भद्दी भाषा का उपयोग करने से मोदी की निगाह में उनकी स्थिति मजबूत होगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ है। मीनाक्षी लेखी सहित दिल्ली के अधिकतर वर्तमान सांसदों को बदलने के निर्णय से यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि, जमीनी स्तर से जो फीडबैक मिल रहा है वो उतना अच्छा नहीं है, जैसा कि भारी जीत का वातावरण पैदा करने के लिए भाजपा 400 सीट का नारा दे रही है।

इसी कारण कुश्ती संघ के महारथी नेता बृजभूषण सिंह का पहली लिस्ट में नाम नहीं है, इससे यह बात साफ नज़र आती है कि, टिकट वितरण में मोदी उम्मीदवार की छवि पर गहराई से ध्यान दे रहे हैं। पश्चिम बंगाल से एक सांसद का नाम तब वापस ले लिया गया जब उनके महिला विरोधी सोच व आचरण की खबरें सामने आईं और यह बात भी सामने आई कि, वो बहुत नापसंद किए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- उन सांसदों को उम्मीदवार नहीं बनाया गया है, जो मुसलमानों के लिये अभद्र व गाली गलोच की भाषा का प्रयोग करते थे।
- इस प्रयोग के तहत दिल्ली से सांसद रमेश बिधूड़ी, भोपाल से प्रज्ञा ठाकुर तथा उत्तर प्रदेश व राजस्थान में कई वर्तमान सांसदों को टिकट नहीं देने का निर्णय हुआ है।
- अब तक, सांसद व टिकटार्थी मानते थे कि, अल्पसंख्यकों के लिए भद्दी भाषा का उपयोग करने से मोदी के निगाह में उनकी स्थिति मजबूत होगी, पर हो रहा कुछ उल्टा ही है।
- दूसरे शब्दों में टिकट वितरण में टिकटार्थी की छवि भी गहराई से आंकी जा रही है। इसी कारण कुश्ती संघ के महारथी नेता ब्रजभूषण सिंह का नाम प्रथम सूची में नहीं है तथा बंगाल में एक उम्मीदवार का नाम वापस लिया गया, उनके महिला विरोधी सोच व आचरण के कारण।
- इसी प्रकार पहली बार केरल व यू.पी. में एक मुसलमान को टिकट दिया गया है।

बैंगलोर में बम विस्फोट ने भाजपा को तुष्टीकरण के नारे को दोहराने का मौका दिया

-लक्ष्मण वेंकट कूची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मार्च। लोकसभा के आम चुनावों से पहले भाजपा कड़े प्रयास कर रही है, कांग्रेस को एक ऐसी अल्पसंख्यक मित्र पार्टी दर्शाने के लिये, जो अल्पसंख्यकों के तुष्टीकरण में लिप्त रहती है। ना केवल हाल ही में बंगलोर के एक लोकप्रिय कैफे में हुए बम विस्फोट का कारण, कांग्रेस प्रशासन में कमज़ोरी बताया जा रहा है, बल्कि भाजपा ने आरोपों की बौछार कर दी है, अल्पसंख्यक समुदाय को विलेन के रुप में पेश करने के लिये और कांग्रेस को आरोपों में लपेटा गया है, क्योंकि इस पार्टी के अल्पसंख्यकों से विशेष सम्बंध रहते हैं।

बम विस्फोट भाजपा तथा इसके संगठनों के बहुत काम आया, जो पहले ही, कुछ दिन पूर्व विधानसभा परिसर के बाहर हुई ''पाकिस्तान जिन्दाबाद'' की कथित नारेबाजी को जनता में मुद्दा बनाने में जुटी थी। संयोग की बात है कि, घटना दिखाने का दावा करने वाला विडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो गया तथा भाजपा ने नारेबाजी के लिये कांग्रेस समर्थकों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की थी।

इस बीच पुलिस ने 27 फरवरी को विधानसभा के बाहर नारेबाजी के सम्बंध में तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है तथा कर्नाटक सरकार ने कहा है कि वह सरकारी लैब से फॉरैन्सिक रिपोर्ट आने की प्रतीक्षा कर रही है।

भाजपा एक निजी लैब रिपोर्ट का उल्लेख कर रही है, जिसमें यह राय व्यक्त की गयी बताते हैं कि, विडियो सही नजर आता है, तथा विडियो में नारे वाकई लगाये गये थे, इसलिये उपयुक्त कार्यवाही की मांग जायज है।

दूसरी ओर सरकार धीरे चल रही है और वह यह सुनिश्चित करना चाहती है कि विश्वसनीय सरकारी फॉरैन्सिक लैब की रिपोर्ट आ जाये बजाय प्राइवेट लैब रिपोर्ट पर निर्भर होने के, जैसा कर्नाटक का विपक्ष इस समय कर रहा है। राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वरा ने यह घोषणा की है कि, गृह विभाग की फॉरैन्सिक रिपोर्ट आने के बाद ही कथित दोषियों पर कार्यवाही की जायेगी।

भाजपा के आरोप, कि सरकार इस मुद्दे को दबाने का प्रयास कर रही है, का स्पष्टतया खंडन करते हुए मंत्री ने कहा, ''भाजपा के, प्राइवेट संस्था की रिपोर्ट के दावे पर कार्यवाही नहीं की जा सकती। सरकार की एफ.एस.एल. रिपोर्ट आयेगी तथा हम गृह विभाग की फॉरैन्सिक रिपोर्ट पर कार्यवाही करेंगे। छुपाने की कोई बात नहीं है, हम रिपोर्ट के अनुसार कार्यवाही करेंगे।'' गृह मंत्री ने प्राइवेट लैब ''क्लू 4'' के सबूत की विश्वसनीयता पर सवाल उठाये। परमेश्वरा ने कहा, ''वो प्राइवेट फर्म कौन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- भाजपा ने बम विस्फोट को कांग्रेस के अल्पसंख्यक प्रेम व तुष्टीकरण की नीति का परिणाम बताया।
- भाजपा अपने इस आरोप के समर्थन में यह भी गिना रही है कि, कर्नाटक के विधानसभा परिसर में कांग्रेस समर्थकों ने ''पाकिस्तान जिंदाबाद'' के नारे भी लगाये थे, जब कांग्रेस के नेता नसीर हुसैन राज्यसभा चुनाव जीते थे, मतगणना के बाद।

मायावती इण्डिया गठबंधन में प्रधानमंत्री पद का चेहरा होंगी?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मार्च। अटकलें तेज हैं कि समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की सहमति के बाद इंडिया गठबंधन (इंडियन नैशनल डवलपमैंटल इन्क्लूसिव अलायंस) में बहुजन समाज पार्टी अध्यक्ष मायावती

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- समझा जाता है कि, राहुल गांधी के समझाने पर अखिलेश मायावती को इंडिया गठबंधन में शामिल करने के लिए सहमत हो गए हैं और सोनिया 9 मार्च को मायावती को प्रधानमंत्री पद का चेहरा घोषित कर सकती हैं।

लालू यादव का मोदी पर कटाक्ष उल्टा पड़ा

लालू ने कहा, मोदी राम मंदिर बनाने का ढिंढोरा पीटते हैं पर वास्तव में वे हिन्दू ही नहीं हैं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मार्च। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तंज कसते हुए उन्हें एक ऐसा व्यक्ति बताया, जिसका कोई परिवार नहीं है और जो सच्चा हिन्दू नहीं है। लालू की इस टिप्पणी से भाजपा और विपक्ष के बीच विवाद छिड़ गया है।

लालू यादव की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री ने तेलंगाना के आदिलाबाद में आज कहा कि ''मैं उनकी वंशवादी राजनीति पर सवाल उठाता हूँ और वे कहते हैं कि मोदी का कोई परिवार नहीं है। मेरा जीवन एक खुली किताब है। मैं मेरे देश के लिए जीऊंगा।'' भाजपा ने लालू प्रसाद यादव की टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए आज सोशल मीडिया पर ''मोदी का परिवार'' अभियान शुरू किया। अमित शाह और जे.पी. नड्डा सहित पार्टी के नेताओं ने प्रधानमंत्री के प्रति अपना समर्थन प्रदर्शित करते हुए अपने सोशल मीडिया हैण्डिल्स पर ''मैं हूँ मोदी का परिवार'' वाक्य और जोड़ दिया।पटना में रविवार को जन विश्वास महारैली को संबोधित करते हुए यादव ने दावा किया कि प्रधानमंत्री सच्चे हिन्दू नहीं है क्योंकि जब उनकी मां का स्वर्गवास हुआ था तब उन्होंने अपना सिर नहीं मुंडवाया था।'' यादव ने कहा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- लालू का तर्क था कि, हिन्दू अपने मां-बाप के निधन पर अपना सिर मुंडवाते हैं, पर मोदी ने हाल में अपनी मां का देहान्त होने पर इस हिन्दू परम्परा व धर्म की अनुपालना नहीं की।
- भाजपा नेता व सोशल मीडिया टीम ने भारी पलटवार किया और हल्ला मचा दिया सोशल मीडिया में कि, पूरा देश मोदी का परिवार है।

तमिलनाडु में बढ़ रही है भाजपा की लोकप्रियता : मोदी

चेन्नई, 04 मार्च। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि, तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है साथ ही सत्तारूढ़ द्रमुक पर कटाक्ष किया और लोगों को आश्वासन दिया कि उसके द्वारा लूटा गया पैसा वसूल किया जाएगा तथा राज्य की जनता के लिए खर्च किया जाएगा। श्रोताओं की भीड़ द्वारा 'मोदी-मोदी' के नारों के बीच मोदी ने कहा, यह मोदी की गारंटी है।

मोदी ने झामुमो रिश्वतखोरी मामले पर उच्चतम न्यायालय के फैसले का भी स्वागत किया और कहा कि इससे स्वच्छ राजनीति को बढ़ावा मिलेगा। माननीय शीर्ष न्यायालय का एक महान निर्णय जो स्वच्छ राजनीति सुनिश्चित करेगा और तंत्र में लोगों का विश्वास गहरा करेगा। लोकसभा चुनाव से पहले सोमवार शाम यहां वाईएमसीए नंदनम मैदान में भाजपा के 'थमराई मनादु' (कमल सम्मेलन) को संबोधित करते हुए मोदी ने सत्तारूढ़ द्रमुक और कांग्रेस पर भी कटाक्ष किया और कहा कि जब भी वह तमिलनाडु का दौरा करते हैं तो कई लोग परेशान हो जाते हैं।

'जम्मू कश्मीर के लोगों की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता'

नयी दिल्ली, 04 मार्च। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि कि जम्मू कश्मीर के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना मोदी सरकार की प्राथमिकता है। शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर कहा, जम्मू कश्मीर के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है।

रामलला का दर्शन कर भावविभोर हुई मध्य प्रदेश सरकार

अयोध्या, 4 मार्च। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश के मंत्रिमंडल ने सोमवार को अयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि पर विराजमान श्रीरामलला का दर्शन पूजन किया। मध्यप्रदेश का 63 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल आज सुबह महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर विशेष विमान से पहुंचा जहां उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री व अयोध्या के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही व संगठन की तरफ से संसाद लल्लू सिंह ने मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश व उनके कैबिनेट मंत्रियों, अधिकारियों को माला पहनाया एवं अंगवस्त्र भेंटकर स्वागत किया। वहीं सांस्कृतिक मंच के कलाकारों ने उनके स्वागत में लोकनृत्य की प्रस्तुति दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मध्यप्रदेश से आए अतिथियों की सुरक्षा व्यवस्था के चाक-चौबंद इंतजाम किए गए थे।

मध्य प्रदेश मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा कि हमारा सबका सौभाग्य है, हमने आज श्रीरामलला के दर्शन किये, मध्य प्रदेश और अयोध्या का सम्बंध 2000 साल पुराना है, जब मध्य प्रदेश से सम्राट विक्रमादित्य ने अयोध्या आकर भगवान श्रीरामजन्मभूमि का पुनरुद्धार करवाया था। आज 500 वर्षो बाद फिर से एक अवसर आया है, जब भगवान श्रीरामलला का 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा हुई, यह तारीख इतिहास में दर्ज हो गई है। अब अयोध्या अलौकिक नगर के रूप में स्थापित हो गयी है। हमने यहां आकर भगवान श्रीरामलला से आशीर्वाद लिया, जिससे हम गरीबों की सेवा कर सकें।

चुनाव के बाद चुनावी बॉण्ड की जानकारी देगा एस.बी.आई.

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मार्च। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने राजनैतिक दलों के इलैक्टोरल बॉन्ड की जानकारी का ब्यौरा देने के मामले में सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है और समय सीमा बढ़ाकर 30 जून 2024 करने की अपील की है। सुप्रीम कोर्ट ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- बैंक ने सुप्रीम कोर्ट से इलैक्टोरल बॉण्ड की जानकारी के लिए 30 जून तक का समय मांगा है, तब तक लोकसभा चुनाव नतीजे घोषित होकर नई सरकार भी बन चुकी होगी।

''भद्रलोक'' की बगावत का संकेत है, न्यायाधीश गांगुली का ''जुडिशिएरी'' तथा तापस राय का तृणमूल से इस्तीफा?

न्यायाधीश ने जज के पद से इस्तीफा देते हुए कहा, हम मौर्य साम्राज्य की चर्चा सुनते थे और अब हमारे बच्चे चोरों के साम्राज्य की बातें सुनेंगे

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मार्च। कलकत्ता हाई कोर्ट के एक निवर्तमान जज अभिषेक गंगोपाध्याय के इस्तीफा देने के बाद बंगाल का राजनीतिक परिदृश्य एकाएक बदल गया है। गंगोपाध्याय ने घोषणा की है कि वह राजनीति में आएंगे। पद से इस्तीफा देने और राजनीति में शामिल होने की घोषणा के साथ ही जस्टिस गंगोपाध्याय ने एक दिलचस्प टिप्पणी की, ''हमने प्राचीन भारत के इतिहास में मौर्य साम्राज्य के बारे में पढ़ा है। अब हम चौर्य (चोरों के) साम्राज्य के चश्मदीद गवाह बन रहे हैं।

संक्षेप में यह बंगाल की राजनीति के बैरिस्टोक्रेसी से चोर तंत्र का संक्रमण काल है। इस घोषणा ने बंगाल को स्पष्ट रूप से वहां ला खड़ा किया है, जैसा कि वह 1950 के दशक में था। स्वतंत्रता आंदोलन ने जब अपने शुरुआती रूझान दिए थे तब बंगाल की राजनीति को ''बैरिस्टोक्रेसी'' के रूप में जाना जाता था। फिर एक समय ऐसा आया जब जमींदार वर्ग के कुलीनों, शिक्षित और कानून के जाने-माने विद्वानों ने राजनीतिक प्रक्रिया में भाग लेना शुरु किया। वामंपथियों के उत्थान से पहले राजनीति के सभी बड़े नाम कुलीन सामाजिक पृष्ठभूमि और सुस्थापित परिवारों से थे। यह एक तरीके की परम्परागत विधारधारा थी जिसमें हर कोई एक दूसरे को और उनके परिवारों को जानता था।

इस शानदार सूची में से कुछ नाम हैं- वोमेश चन्द्र बनर्जी, रोमेश चन्द्र दत्त, चितरंजन दास, अरविंद घोष और यहां तक कि रविन्द्रनाथ टैगोर, बिपिन चन्द्र पाल और बाद में सुभाष चन्द्र बोस। इसलिए यह एक सहज चयन था कि स्वतंत्र बंगाल के पहले मुख्यमंत्री प्रसिद्ध चिकित्सक बिधान चन्द्र रॉय बने। यहां तक कि वामपंथी आंदोलन के शीर्ष नेताओं की पृष्ठभूमि भी ऐसी ही थी। उसमें समृद्ध परिवारों के वंशज, कानूनी पेशे के स्थापित लोग या जमींदार परिवार से ताल्लुक रखने वाले लोग अग्रिम मोर्चे पर थे।

इनमें से अधिकांश इंग्लैंड में पढ़े हुए थे। यहां वे हैरल्ड लास्की और रजनी पामे दत्त जैसे के विचारकों से प्रभावित हुए। हीरेन मुखर्जी, सोमनाथ चटर्जी, मोहित सेन, इंद्रजीत गुप्त, स्नेहाणु (बैरिस्टर) आदि कुछ नाम हैं जो कैम्ब्रिज में पढ़े थे। इन्हीं में मानवेन्द्रनाथ रॉय का नाम भी है जिन्हें वामपंथी आंदोलन के लिए दुनियाभर में सम्मानित किया गया था। इसका एक फायदा यह हुआ कि राजनीति में आने वाले ये नेता असल में अपने राजनैतिक सम्पर्कों स ''लूट'' की कोशिश में नहीं जुटे थे। इनमें से किसी ने भी राजनीति से अनाप-शनाप पैसा नहीं कमाया था। यही नहीं ऐसे उदाहरण भी मिलते हैं जब गड़बड़ी की जानकारी मिलने पर ये नेता अपनी ही पार्टी के खिलाफ हो जाते थे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- तापस राय तृणमूल के प्रारंभिक दिनों से पार्टी से जुड़े हुए थे, पर, अब पार्टी में पनप रही चोरी-चकारी, गुंडागर्दी, हिंसा ने इस ''हार्ड कोर'' समर्थक की अन्तरआत्मा को हिला दिया तथा उनका पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा आया।
- आज़ादी के बाद, बंगाल की राजनीति में ''बैरिस्टर युग'' था। इंग्लैण्ड में लॉ पढ़े, संभ्रांत, जमींदारी पृष्ठभूमि के युवा राजनीति में छाये हुए थे, कांग्रेस पार्टी हो या वामपंथी दल।

'15 जून तक मुख्यालय खाली करे आम आदमी पार्टी'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मार्च। सुप्रीम कोर्ट ने आम आदमी पार्टी (आप) को सोमवार को एक बड़ा झटका देते हुए आदेश दिया कि वह 15 जून तक कोर्ट परिसर विस्तार के लिए आवंटित जगह से अपने दिल्ली मुख्यालय को खाली कर दे। इस समय आम आदमी पार्टी का मुख्यालय दिल्ली हाई कोर्ट के विस्तार हेतु आवंटित परियोजना भूमि पर है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सुप्रीम कोर्ट ने आदेश इसलिए दिया है, क्योंकि, आप मुख्यालय उस भूखंड पर है, जो दिल्ली हाई कोर्ट को आवंटित किया गया है।

विचार बिन्दु

अपना नाम सदा कायम रखने के लिए मनुष्य बड़े से बड़ा जोखिम उठाने, धन खर्च करने, हर तरह के कष्ट सहने, यहाँ तक कि मरने के लिए भी तैयार हो जाता है। –सुकरात

खेत, खेती और सेहत पर भारी पड़ता रासायनिक उर्वरकों का अत्यधिक उपयोग

रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का उपयोग खेत, खेती और सेहत पर भारी पड रहा है। देश में रासायनिक उर्वरकों के बढ़ते उपयोग को इसी से समझा जा सकता है कि आजादी के समय 1950-51 में देश में 7 लाख टन रासायनिक उर्वरकों का उपयोग होता था। एक मोटे अनुमान के अनुसार आज देश में 335 लाख टन से अधिक रासायनिक उर्वरको का उपयोग हो रहा है। इसमें 75 लाख टन उर्वरकों का तो आयात करना पड़ रहा है। यूरिया से नाइट्रोजन चक्र प्रभावित होता है और उससे ग्रीन हाउस गैस का उत्सर्जन बढ़ने से पर्यावरण प्रभावित होता है। दरअसल समस्या की जड़ दूसरी ओर है और वह यह कि उर्वरकों के संतुलित उपयोग के स्थान पर आंख मींच कर अंधाधुंध उपयोग से अधिक हालात खराब हुए हैं। देश में उर्वरकों की खपत का विश्लेषण किया जाए तो केन्द्र शासित प्रदेशों सहित 797 जिलों में से केवल ओर केवल 292 जिलों में ही देश में उर्वरकों की कुल खपत की 83 फीसदी उर्वरकों की खपत हो रही है। यह अपने आप में गंभीर है। ऐसा नहीं है कि सरकार इसे लेकर गंभीर नहीं है अपितु सरकार ने उर्वरकों के अत्यधिक प्रयोग से होने वाले दुष्प्रभावों को देखते हुए ही 2004 में यूरिया के अत्यधिक उपयोग से होने वाले दुष्प्रभाव के अध्ययन के लिए 'सोसायटी फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर' की स्थापना की। दुनिया की सहकारी क्षेत्र की उर्वरक उम्पादक सहकारी समिति इफको द्वारा नैनो उर्वरक तैयार कर उनकी उपलब्धता व उपयोग बढ़ाने के प्रयास इसी दिशा में बढ़ते प्रयासों में से एक माना जा सकता है। रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग के लिए केन्द्र व राज्यों के कृषि मंत्रालयों द्वारा सावचेत किया जाता रहा है पर यह नाकाफी होने के साथ ही सही मायने में प्रभावी तरीके से अवेयरनेस कार्यक्रमों का संचालन नहीं हो पा रहा है। आज पंच नदियों के प्रदेश में तेजी से जल स्तर कम होता जा रहा हे। पंजाब के लोग ही पंजाब में उत्पादित गेहूं को अन्य प्रदेशों में खपाने और दूसरे प्रदेशों से गेहूं मंगाकर उपयोग में लेने लगे हैं। इसी तरह से देश में कैंसर के सर्वाधिक मामलें पंजाब से आ रहे हैं। रासायनिक उर्वरक और जहरीले कीटनाशक इसके प्रमुख कारण किसी से अनजाने नहीं हैं। हो यह रहा है कि उर्वरकों के कारण मिट्टी के खेती में सहायक कीट नष्ट हो जाते हैं वहीं रासायनिक उर्वरक वर्षा आदि में बह कर नदी आदि प्राकृतिक जल स्रोतों को भी प्रदूषित कर देते हैं। रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से तैयार फसल के उपयोग से मानव ओर मवेशी दोनों के ही स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

दरअसल औद्योगिक क्रांति की शुरुआत के साथ ही दुनिया के देशों में रासायनिक उर्वरकों का उपयोग तेजी से बढ़ा है। खाद्यान्न संकट से निपटने और यों कहें कि कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए रासायनिक उर्वरक बेहतर विकल्प के रुप में सामने आये। इसमें भी कोई दो राय नहीं कि कृषि उत्पादन बढ़ने के कारण ही आज दुनिया के देश खाद्यान्न संकट से मुकाबला करने की स्थिति में आ सके हैं। हांलाकि अब लगभग सभी देशों व विशेषज्ञों द्वारा रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग को शनैः शनैः कम करने पर जोर दे रहे हैं। परंपरागत और जैविक खेती पर बल दिया जा रहा है।

रासायनिक उर्वरकों का अत्यधिक उपयोग आज खेत, खेती, सेहत और पर्यावरण सब पर भारी पड़ रहा है। यह कोई हमारे यहां की ही समस्या नहीं अपितु रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग का दुष्प्रभाव दुनिया के समूचे देश भुगत रहे है। रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से भूमि की उर्वरा शक्ति प्रभावित हो रही है तो पर्यावरण पर भी विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। यदि हम केवल और केवल हमारे देश की ही बात करें तो जो आंकड़ें सामने आ रहे हैं वे अत्यधिक चिंताजनक होने के साथ ही गंभीर भी है। रासायनिक खाद के बढ़ते इस्तेमाल के कारण देश की खेती योग्य भूमि में से 30 फीसदी भूमि बंजर होने की कगार पर पहुंचने लगी है। यह आंकड़ा कोई हवा-हवाई नहीं होकर 'सेंटर फॉर साइंस एण्ड एनवायरमेंट' की रिपोर्ट के अनुसार है। पंजाब, हरियाणा सहित कई प्रदेशों में कृषि उपज की सेचुरेशन वाले हालात हमारे सामने हैं। इसके साथ ही रासायनिक उर्वरकों और जहरीले कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग का परिणाम जानलेवा कैंसर रोग का फैलाव सामने हैं। आज पंजाब और उससे लगते हिस्सों में कैंसर आम होता जा रहा है।

दरअसल औद्योगिक क्रांति की शुरुआत के साथ ही दुनिया के देशों में रासायनिक उर्वरकों का उपयोग तेजी से बढ़ा है। खाद्यान्न संकट से निपटने और यों कहें कि कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए रासायनिक उर्वरक बेहतर विकल्प के रुप में सामने आये। इसमें भी कोई दो राय नहीं कि कृषि उत्पादन बढ़ने के कारण ही आज दुनिया के देश खाद्यान्न संकट से मुकाबला करने की स्थिति में आ सके हैं। हांलाकि अब लगभग सभी देशों व विशेषज्ञों द्वारा रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग को शनैः शनैः कम करने पर जोर दे रहे हैं। परंपरागत और जैविक खेती पर बल दिया जा रहा है। भारत में भी जैविक खेती पर बल दिया जा रहा है और 20 राज्यों में जैविक नीति लागू करने की पहल की है। खासतौर से उत्तर पूर्वी राज्यों को तो शत प्रतिशत जैविक खेती वाले प्रदेश बनाया जा रहा है। दुनिया के देशों में जहां भूटान जैविक खेती प्रदान देश है वहीं दुनिया में हमारा सिक्किम जैविक खेती के मामलें में अव्वल नंबर पर है। यह भी साफ होता जा रहा है कि जैविक और परंपरागत खेती की और बढ़ना ही होगा पर इसमें कोई दो राय नहीं कि यह सब एक दिन में नहीं हो सकता इसके लिए चरणवद्ध प्रयास करने होंगे।

रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग के दुष्परिणामों से बचने के लिए दोहरी और दूरगामी नीति बनाकर आगे बढ़ना होगा। एक और जहां योजनावद्ध तरीके से रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को आवश्यकता के अनुसार ही प्रयोग के लिए किसानों को प्रेरित करना होगा वहीं दूसरी और ओरगनिक व परंपरागत खेती को प्रोत्साहित करना होगा। इसके लिए आवश्यक हो तो बजटरी प्रोविजन अधिक करना पड़े तो सरकार को इसे दीर्घावधि निवेश मानकर ही किसी तरह का संकोच नहीं करना होगा। इसके लिए सरकारी और गैरसरकारी संस्थाओं को भी अवेयरनेस प्रोग्ग्रम चलाने होंगे। इसमें कोई दो राय नहीं कि बढ़ती आबादी और देश में खाद्यान्नों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए सरकार को पूरी तरह से उर्वरकों के उपयोग को नकारने की गलती नहीं करनी होगी। बांग्लादेश की पिछले दिनों की गलती से भी सबक लेना होगा। कहने का अर्थ है कि एक और चरणवद्ध तरीके से रासायनिक उर्वरकों का संतुलित उपयोग बढ़ाना होगा वहीं वैकल्पिक उपायों पर गंभीरता से काम करना होगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राजस्थान में मोदी की गारंटी ही मुख्य मुद्दा

विनोद पाठक

पिछले दो लोकसभा चुनावों में राजस्थान की 25 की 25 सीटें जीतने वाली भाजपा एक बार फिर क्लीन स्वीप का लक्ष्य लेकर मैदान में उतर चुकी है। हालांकि, अभी चुनाव की तिथियों की घोषणा नहीं हुई है, लेकिन भाजपा ने राजस्थान में 15 प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है, जिसमें केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में शामिल चार मंत्रियों गजेंद्र सिंह शेखावत, अर्जुनराम मेघवाल, कैलाश चौधरी और भूपेंद्र यादव को टिकट दिया गया है। राजस्थान में लोकसभा चुनाव 'मोदी की गारंटी' पर ही लड़ा जाएगा, यह शीशे की तरह साफ दिख रहा है। इसके अलावा, पानी, विकास जैसे कई मुद्दे ऐसे भी हैं, जो वोटरों को प्रभावित कर सकते हैं।

पहले प्रत्याशियों की घोषणा कर भाजपा ने एक तरीके से विपक्षी दल कांग्रेस पर मनोवैज्ञानिक बढ़त हासिल कर ली है। कांग्रेस अभी प्रत्याशियों के नाम और गठबंधन के उधेड़बुन में ही उलझी हुई है। कांग्रेस आदिवासी बेल्ट में भारतीय आदिवासी पार्टी (बाप) से गठबंधन के लिए लालयित नजर आ रही है। यूं भी लग रहा है कि राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के हनुमान बेनीवाल इंडि अलायंस के साथ जाकर कांग्रेस से गठबंधन कर सकते हैं। फिलहाल, कांग्रेस का प्रयास अपने बड़े चेहरों को चुनाव में टिकट देने का है, लेकिन बड़े नेता चुनाव लड़ेंगे या नहीं, यह स्पष्ट नहीं है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की न्याय यात्रा भी राजस्थान में पहुंची है। उसका कितना असर चुनावों पर पड़ने वाला है, यह देखने वाला होगा, क्योंकि विधानसभा चुनाव से पहले भी राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान के कई जिलों से गुजरी थी, लेकिन वोटों में भीड़ बदली नहीं थी। राजस्थान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर ही भाजपा प्रत्याशी चुनाव लड़ेंगे और वोट मांगेंगे, यह स्पष्ट है। खासकर पिछले पांच साल में मोदी सरकार के जनहित में कराए विकास कार्यों को जनता को बताया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी खुद राजस्थान में पिछले कुछ महीनो में कई रैलियां कर चुके हैं। विकास की कई योजनाओं की उन्होंने सौगात दी है। फिर भी मरुभूमि में पानी, रोजगार, अपराध, सामाजिक सौहार्द, भ्रष्टाचार जैसे कई मुद्दे प्रमुख रूप से चुनाव में प्रभावी ढंग से उठाए जाने हैं।

राजस्थान में पानी को लेकर पहले भी चुनाव लड़े जाते रहे हैं। पिछले 5 साल से पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों में पानी के मुद्दे पर भाजपा और कांग्रेस में जमकर राजनीति हो रही थी। ईस्टर्न राजस्थान कैनल प्रोजेक्ट (ईआरसीपी) पर कांग्रेस नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर वादा-खिलाफी का आरोप लगाते आ रहे थे। खासकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कह रहे थे कि प्रधानमंत्री ने इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने का वादा किया था। इस मुद्दे पर केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कांग्रेस से मोर्चा लिया हुआ था। यह मुद्दा कहीं न कहीं लोकसभा चुनावों में भी असर डालने वाला था, लेकिन जोधपुर से तीसरी बार प्रत्याशी बनाए गए शेखावत ने इस मुद्दे को कांग्रेस से छीन लिया है। उनकी पहल पर पार्वती-कालीसिंध-चंबल इंटर लिंकेज रिवर प्रोजेक्ट के साथ ईआरसीपी को जोड़ दिया गया है, जिसमें 90 प्रतिशत पैसा केंद्र सरकार वहन करने वाली है। राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र के 3 जिलों चूरू, झुंझुनूं और सीकर तक यमुना जल लाने के तीन दशक पुराने गतिरोध को भी शेखावत की पहल पर दूर किया जा चुका है। इसका प्रभाव शेखावटी क्षेत्र में देखने को मिलेगा।

राजस्थान में राम मंदिर एक बड़ा मुद्दा बनेगा। भाजपा इस मुद्दे को भुनाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रही है। राज्य के सभी क्षेत्रों से अयोध्या में रामलला के दर्शनों के लिए स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। बसों से भक्तों को भेजा जा रहा है। दरअसल, राजस्थान उन राज्यों में शामिल है, जहां वर्ष 1991 में अयोध्या में विवादित ढांचा गिरने के बाद भाजपा की सरकार कांग्रेस नीत केंद्र सरकार द्वारा बर्खास्त कर दी गई थी।राजस्थान की जनता भावनात्मक रूप से अयोध्या में राम मंदिर से जुड़ी रही है और बड़ी संख्या में अयोध्या में कारसेवा के लिए यहां से लोग गए थे। 22 जनवरी को जब अयोध्या में राम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा हुई थी, तब राज्य में लोगों ने उत्सव मनाया था।

हाल में संपन्न विधानसभा चुनाव में भाजपा ने कांग्रेस के कुराज, भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था को लेकर बड़ा मुद्दा बनाया था। लोकसभा चुनाव में भी इन्हीं मुद्दों को लेकर भाजपा नेता कांग्रेस पर प्रहार कर रहे हैं। पिछले दिनों जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान में 17,000 करोड़ रुपयों की लागत वाली विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया था, तब भी उन्होंने कांग्रेस पर इन्हीं मुद्दों को लेकर जमकर निशाना साधा था। उन्होंने यहां तक कहा था कि कांग्रेस के पास भविष्य का कोई भी रोडमैप नहीं है। दरअसल, राजस्थान में मुख्य लड़ाई भाजपा और कांग्रेस के बीच ही है तो कांग्रेस के पिछले 5 साल के शासन की नाकामियों को उठाते हुए भी भाजपा जनता के बीच जा रही है।

चुनाव में मोदी सरकार के चार मंत्रियों की भी अग्निपरीक्षा है। खासकर कैबिनेट मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के लोकसभा क्षेत्र जोधपुर पर सबकी निगाहें रहने वाली हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सबसे बड़ी फ्लैगशिप योजना जल जीवन मिशन का जिम्मा शेखावत के कंधों पर है। राजस्थान में जिस तरह से पानी के मुद्दे पर शेखावत ने पहल कर राजस्थान का मध्य प्रदेश और हरियाणा से समझौता कराया है, वो कितना वोटों में तब्दील होगा, यह भी देखने वाला होगा।

भाजपा ने जिन 15 लोकसभा सीटों पर प्रत्याशी घोषित किए हैं, उसमें कुछ नए चेहरे भी हैं। कुछ पुराने चेहरों के टिकट काट दिए गए हैं। खासकर चूरू से राहुल कस्वां का टिकट काटना बड़े बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। कस्वां एक राजनीतिक परिवार से आते हैं और तीन दशकों से उनके परिवार का चूरू सीट पर दावा चला आ रहा था। यहां पार्टी ने पैरा ओलंपिक पदक विजेता देवेंद्र झाझरिया को मौका दिया है। जालोर-सिरोही सीट से जमीनी नेता लुंबाराम चौधरी को टिकट दिया गया है, जबकि बांसवाड़ा से कांग्रेस से आए महेंद्रजीत सिंह मालवीय को चुनाव मैदान में उतारा है। नागौर में ज्योति मिर्धा को टिकट दिया गया है, जो पिछला विधानसभा चुनाव भाजपा के टिकट पर हार गई थीं। वो भी कांग्रेस से भाजपा में आई हैं। उदयपुर में पार्टी ने नए प्रत्याशी मन्नालाल रावत को मौका दिया है। अलवर से कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र यादव को पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ाया जा रहा है। यादव बहुल अलवर सीट पर भूपेंद्र यादव की अग्नि परीक्षा होनी है।

राजस्थान में भाजपा आत्मविश्वास से लबरेज लग रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मिशन-400 के लक्ष्य के लिए पार्टी को राजस्थान में वर्ष 2014 और 2019 जैसा प्रदर्शन दोहराने की जरूरत है। साफ है कि राजस्थान में चुनाव मोदी की गारंटी और भावनात्मक मुद्दे पर अधिक लड़ा जाएगा।

–विनोद पाठक,
वरिष्ठ पत्रकार।

'टाको' ने रणथंभौर नेशनल पार्क में वन्यजीव संरक्षण में सहायता के लिए सात पैट्रोलिंग वाहन लगाए

■ वेदांता समूह की सामाजिक प्रभाव शाखा, एनिमल केयर ऑर्गनाइजेशन (टाको) ने पैट्रोलिंग वाहनों की तैनाती की है

सवाई माधोपुर। वेदांता समूह की सामाजिक प्रभाव शाखा, एनिमल केयर ऑर्गनाइजेशन (टाको) ने अनिल अग्रवाल फाउंडेशन (आफ) के सहयोग से एक प्रमुख एनिमल वेलफेयर पहल के तहत रणथंभौर नेशनल पार्क में सात पैट्रोलिंग वाहनों की तैनाती की है।

वर्ल्ड वाइल्डलाइफ डे के मौके पर आयोजित इस कार्यक्रम में टाको एंकर, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड की चेयरपर्सन और वेदांता लिमिटेड की नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, प्रिया अग्रवाल हेब्बार ने आईएफएस के प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) और राजस्थान सरकार के चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन (सीडब्ल्यूएलडब्ल्यू), पवन कुमार उपाध्याय व अन्य फॉरेस्ट अधिकारियों के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। रणथंभौर नेशनल पार्क ने टाको द्वारा पहले दिए गए 1 करोड़ रुपये के अनुदान का उपयोग, इन सात वाहनों की खरीददारी में किया है। इस पहल के साथ, टाको खत्म होने की कगार पर पहुंच चुकी प्रजातियों और उनके आवासों की रक्षा करने में संरक्षणवादियों तथा फॉरेस्ट डिपार्टमेंट्स के प्रयासों में योगदान दे रहा है। वन्यजीव संरक्षण के प्रति उनके उत्कृष्ट योगदान की सराहना करते हुए प्रिया अग्रवाल हेब्बार ने कार्यक्रम में रणथंभौर नेशनल पार्क के 6 वन अधिकारियों को भी सम्मानित किया।

प्रिया अग्रवाल हेब्बार ने रणथंभौर नेशनल पार्क के वन अधिकारियों को सम्मानित किया।

इस दौरान प्रिया अग्रवाल हेब्बार (एंकर, टाको, चेयरपर्सन, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड और निदेशक, वेदांता लिमिटेड), अनूप के आर (मुख्य वन संरक्षक, रणथंभौर नेशनल पार्क), आकर्ष हेब्बार (ग्लोबल एमडी, वेदांता सेमीकंडक्टर्स एंड डिस्प्ले), पवन कुमार उपाध्याय (आईएफएस, पीसीसीएफ और सीडब्ल्यूएलडब्ल्यू, राजस्थान सरकार), रामानंद भक्कर (उप वन संरक्षक, रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान), प्रमोद कुमार धाकड़ (उप वन संरक्षक, पर्यटन रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान) आदि मौजूद रहे।

सैन्य अभ्यास ''धर्मागार्डियन'' में बाज ने खोजे आतंकी और श्वानों ने छीने हथियार

■ संयुक्त सैन्य अभ्यास में जापान की 34वीं इन्फेंट्री रेजीमेंट तथा भारत की 19वीं राजपूताना राइफल्स बटालियन भाग ले रही है

बीकानेर, (निसं)। धोरों के बीच महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में सैन्य अभ्यास के लिए बनाया यह काल्पनिक गांव चिड़ासर है। गांव के एक मकान में तीन आतंकियों ने ठिकाना बना रखा है। एक आतंकी इस मकान की तरफ जाने के रास्ते पर राइफल लिए पहरा दे रहा है। भारत और जापान की सैन्य टुकड़ी आतंकियों के खात्मे को आगे बढ़ रही है। दरअसल, यह दोनों देश की सेनाओं के चल रहे संयुक्त सैन्य अभ्यास ''धर्मागार्डियन'' का दृश्य था। इस सैन्य ऑपरेशन में तकनीक के साथ ह्यूमन रिसोर्स की उपयोगिता को भी रेखांकित किया गया। मसलन, ड्रोन की जगह कैमरे लगा सेना का बाज, सैनिकों का आतंकी से सीधा सामना करने से पहले प्रशिक्षित डॉग से सामना करवाना।

जापानी सेना के कमांडर ने आतंकियों को सर्विलांस करने के लिए ड्रोन से पूरे क्षेत्र की रेकी करने का सुझाव दिया। लेकिन भारतीय कमांडर ने ड्रोन की आवाज से आतंकियों के अलर्ट होने का खतरा जताते हुए भारतीय सेना के प्रशिक्षित बाज ''अर्जुन'' को भेजने का सुझाव दिया। इसके बाद सिर पर कैमरा और पीठ पर जीपीएस चिप लगे बाज ने गांव का चक्कर लगाया और आतंकियों की सटीक पॉजिशन का पता चला। इसके बाद अगले आधे घंटे में क्रॉस फायरिंग, विस्फोट और सैनिकों के घायल होने से लेकर आतंकियों को ढेर करने के दृश्य देखने को मिले। सबसे पहले गांव के पास मैदान पर स्मॉक बम से धुंआ कर हेलीकॉप्टर से रस्सी के सहारे 9 सैनिक उतरे। इनमें एक सैनिक की पीठ पर श्वान भी बंधा था। सैनिकों ने श्वान को खुला छोड़ा तो वह गांव का पहरा दे रहे आतंकी पर टूट पड़ा। उसे बुरी तरह घायल कर राइफल भी छीन लाया। दूसरी तरफ एक और हेलीकॉप्टर 9 सैनिकों को बैकअप देने के लिए पहुंचा। सैनिक 6-6 के समूह टारगेट वाले मकान की तरफ बढ़े। मकान के एक दरवाजे को विस्फोटक से उड़ा दिया। आतंकी ने मकान से फायर कर एक सैनिक को घायल कर दिया। तुरंत सेना की मेडिकल टीम पहुंची। फिर चारों तरफ से सैनिकों ने एक साथ आतंकियों पर हमला कर चारों को मार गिराया।

जानकारी के अनुसार 25 फरवरी से शुरू हुआ यह संयुक्त सैन्य अभ्यास 9 मार्च तक चलेगा। इसमें जापान की 34वीं इन्फेंट्री रेजीमेंट तथा भारत की 19वीं राजपूताना राइफल्स बटालियन भाग ले रही है। चेतक कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल नगेन्द्र सिंह भी इस दौरे में उपस्थित थे।

जापान आर्मी के लेफ्टिनेंट जनरल तोगासी यूईचव ने कहा कि सैनिक एक दूसरे के सैन्य ऑपरेशनल और रणनीतिक अनुभव साझा कर रहे हैं। ऐसे अभ्यासों से दोनों देशों के डिप्लोमेटिक रिश्तों में भी मजबूती आती है। धर्मागार्डियन संयुक्त अभ्यास का 5वां संस्करण है, जो संयुक्त राष्ट्र के अनुरूप अर्ध-शहरी वातावरण में संयुक्त क्षमताओं को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

हाईटेंशन लाइन से टकराकर दुर्लभ गिद्ध घायल

■ पर्यावरण प्रेमियों ने घायल गिद्ध को देख वन विभाग की टीम को सूचना दी

जैसलमेर, (नि.सं.)। जिले के फतेहसर में बिजली की हाइटेंशन लाइन से टकराकर एक दुर्लभ प्रजाति का प्रवासी गिद्ध घायल हो गया। पर्यावरण प्रेमियों ने घायल गिद्ध को देखकर वन विभाग की टीम को सूचना दी। शहर से आई वन विभाग की टीम दुर्लभ गिद्ध को अपने साथ ले गई और उसका इलाज करवाएगी। पर्यावरण प्रेमी सुमेरसिंह ने बताया कि देवीकोट के फतेहसर इलाके में हाइटेंशन लाइनों से टकराकर दुर्लभ गिद्ध घायल हुआ है। वहां ग्रामीण सोने खां और प्रवीणकुमार ने पर्यावरण प्रेमी सुमेरसिंह भाटी को सूचना दी। जिस पर भाटी ने घायल गिद्ध की सुध ली और वन विभाग को सूचना दी।

सुमेर सिंह ने बताया कि उसकी गर्दन और पंखों में चोट आई है। हमने उसको वन विभाग को सौंपा है। अब वन विभाग उसका बेहतर इलाज करवा कर उसे सही करेगा। पर्यावरण प्रेमी सुमेरसिंह ने बताया कि यूरेशियन ग्रिफॉन नामक दुर्लभ गिद्ध प्रवासी पक्षी है और सर्दियों में यहां प्रवास करता है। राजस्थान में यूरेशियन ग्रिफॉन कजाकिस्तान, अफगानिस्तान और बलूचिस्तान से आते हैं। इनका प्रवास का रास्ता मध्य-पूर्व से दक्षिणी एशिया की ओर है। इस मार्ग को यूरेशियन ग्रिफॉन के अलावा अन्य प्रजातियां भी इस्तेमाल करती हैं। वहां ज्यादा ठंड होने पर ये प्रवास करके गर्म जगहों पर आते हैं। जैसलमेर में ये फतेहगढ़, लाठी आदि इलाकों में जहां पशु विचरण का इलाका ज्यादा है वहां ये ज्यादा पाए जाते हैं। जैसलमेर में बिजली की हाईटेंशन लाइनों से टकराकर इनके साथ लगातार हादसे हो रहे हैं। कई बार दुर्लभ पक्षियों ने अपनी जान भी गंवाई है। भाटी ने सरकार से मांग की है कि इस इलाके में चल रही हाईटेंशन लाइनों को भूमिगत किया जाए ताकि इन पक्षियों को दर्दनाक हादसों से न गुजरना पड़े।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

मंगलवार 5 मार्च, 2024

फाल्गुन मास, कृष्ण पक्ष, नवमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2080, मूल नक्षत्र सांय 4:00 तक, सिद्धि योग दिन 2:08 तक, गर करण प्रातः 8:05 तक, चन्द्रमा धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मकर, बुध-कुम्भ, गुरू-मेष, शुक्र-मकर, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज कुमार योग प्रातः 8:05 से सांय 4:00 तक है। भद्रा रात्रि 7:18 असाम्भ होगी। आज श्री रामदास नवमी है। आज दशमी तिथि का क्षय हुआ है। आज स्वामी दयानन्द सरस्वती जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:45 से 11:11 तक, लाभ-अमृत 11:11 से 2:05 तक, शुभ 3:32 से 4:59 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:50, सूर्यास्त 6:26

मेष
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सुसंदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों से वाद-विवाद बढ़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियों से राहत मिलेगी। मानसिक तनाव दूर होने लगेगा।। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

कन्या
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

तुला
व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

वृश्चिक
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। घर-परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

धनु
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मकर
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनावश्यक धन खर्च होगा।

कुंभ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

मीन
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। शुभ कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

मोदी की गारंटी

भजनलाल सरकार कर रही साकार

भ्रष्टाचार मुक्त हो रहा राजस्थान

पारदर्शिता एवं सुशासन के प्रति संकल्पित राज्य सरकार

सजगता से आमजन भी करें पहल
आइए मिलकर भ्रष्टाचार पर लगाएं नकेल

कोई रिश्वत मांगे तो भयमुक्त करें शिकायत

1064 24X7 हेल्पलाइन

9413502834 व्हाट्सएप नं.

राजस्थान संवाद

रिश्वत लेना और देना दोनों ही अपराध है

आपणो अग्रणी राजस्थान

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, राजस्थान

ग्रामीणों ने रॉयल्टी नाका फूंका, कर्मचारियों ने भागकर जान बचाई

हमला करने वालों ने कर्मचारियों को जान से मारने, जिंदा जलाने और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकियां दी और पथराव भी किया

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के आसींद थाना क्षेत्र के पुराना परासोली में नदी के नजदीक 29 फरवरी को स्थापित किये गये रॉयल्टी नाके को ग्रामीणों ने फूंक दिया। इतना ही नहीं, हमला करने वालों ने नाके पर तैनात तीन कर्मचारियों को जान से मारने, जिंदा जलाने और झूठे मुकदमे में फंसाने की भी धमकियां दी और पथराव भी किया। इस घटना को लेकर नाकाकर्मी ने थाने में केस दर्ज करवाया है।

■ **घटना को लेकर नाकाकर्मी ने थाने में केस दर्ज करवाया, आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज**

आसींद पुलिस के अनुसार, धौलपुर जिले के मनोज पुत्र प्रतापसिंह राजपूत ने रिपोर्ट दी, जिसमें उसने बताया कि अम्बालाल गुर्जर, जमना लाल कुमावत, तेजू माली, लक्ष्मण, धर्मीचन्द बलाई, विक्रम सिंह राजपूत, महेन्द्र कुमार प्रजापत, नानू गुर्जर, गोवर्धन कुमावत, घनश्याम माली, कमलेश माली और अन्य 10-15 महिलाओं और ग्रामीणों को आरोपित बनाया है। मनोज ने रिपोर्ट में बताया कि वह करीब 8-9 महिने से बजरी लीज क्षेत्र में बतौर रॉयल्टी नाका कार्मिक जॉब करता है। आसीन्द में बजरी रॉयल्टी का ठेका मैसर्स अभिषेक चौधरी के नाम है। 29 फरवरी को ठेकेदार ने नदी क्षेत्र के किनारे पर नया रॉयल्टी निगरानी नाका स्थापित किया था। नाका पर परिवादी मनोज, रोहित राजपूत व धर्मपाल नायक को निगरानी ड्यूटी के लिए लगाया था। 29 फरवरी से ही वे, तीनों नदी क्षेत्र में स्थाई टेंट लगाकर वही रहकर ड्यूटी कर रहे थे। खाना-पानी भी टेंट में ही रख रखा था।

परिवादी का आरोप है कि एक मार्च को ये आरोपित नाके के पास आये और परिवादी सहित तीनों कार्मिकों को धमकाया कि ये नदी हमारे गांव की है। हम तुम्हे यहां से बजरी खनन नहीं करने देंगे। इसके बाद 3 मार्च को ये सभी आरोपित गिरोह बनाकर आये और आते ही चेक पोस्ट के टेंट को चारों ओर से घेर लिया। गाली गलौच कर धमकाने लगे। तीनों ने चारों ओर से स्वयं को घिरा देखा तो वहां से भागने लगे, इस पर उक्त आरोपितों ने उन पर पथराव किया, लेकिन तीनों कार्मिक जान बचाकर वहां से भाग गये। कर्मचारियों ने ठेकेदार व पुलिस थाने में सूचना दी। इस दौरान हमलावरों ने टेंट को उखाड़ दिया और उसके अंदर आग लगा दी। राशन का सामान व बिस्तर बिखेर दिया। आग से तंबू व बांस जलकर राख हो गये। परिवादी का आरोप है कि इन आरोपितों में से दो ने अपनी औरतों को आगे करते हुये कहा कि इन लोगों को पकड़ लो और झूठे मुकदमे में फंसा दो। आरोपियों ने परिवादी सहित अन्य कर्मचारियों को भी धमकियां दी। पुलिस ने मनोज की रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली।

अवैध बजरी माफिया के खिलाफ ग्रामीणों का प्रदर्शन

भीलवाड़ा, (निसं)। आसींद उपखंड क्षेत्र के परासोली के ग्रामीणों ने उपखंड मुख्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया। तहसील कार्यालय के सामने ग्रामीणों ने नारे लगाते हुए कहा कि अवैध बजरी माफिया अवैध बजरी खनन कर रहे हैं और ग्रामीणों को हाथ पांव तोड़ने की धमकी दे रहे हैं। प्रदर्शन में ग्रामीणों ने बजरी माफिया पर आरोप लगाते हुए बताया कि बजरी माफिया अपनी वैध लीज क्षेत्र से बाहर आकर बजरी का दोहन कर रहे हैं तथा बजरी दोहन के दौरान बजरी माफिया के कर्मचारियों द्वारा ग्रामीण महिलाओं के साथ भी अभद्रता की जाती हैं,

■ **ग्रामीणों ने कहा कि अवैध बजरी माफिया हाथ पांव तोड़ने की धमकी दे रहे हैं**

ग्रामीणों द्वारा बजरी माफिया के कर्मचारियों को तकाजा देने पर गोली से मारने जैसी धमकी धमकियां देने के आरोप ग्रामीण आरोप लगा रहे हैं। ग्रामीण महिलाओं का आरोप है कि कृषि कार्य के दौरान गुजरने वाले बजरी लीज ठेकेदार के कर्मचारी भी महिलाओं से अब अभद्र व्यवहार कर रहे हैं। तहसील मुख्यालय पर प्रदर्शन के दौरान आसींद तहसीलदार भंवरलाल सेन ने बताया कि ग्रामीणों की शिकायत पर संज्ञान लेकर एक टीम गठित कर इस मामले पर लीज धारक को पाबंद किया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी की अबकी बार 400 पार की गारंटी को पूरा करना है : भूपेंद्र यादव

अलवर से भूपेंद्र यादव को लोकसभा प्रत्याशी बनाने पर बधाई दी

किशनगढ़ बास, (निसं)। लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने अपनी पहली सूची में अलवर से भारत सरकार में वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव को प्रत्याशी बनाकर भेजा है। अलवर से भूपेंद्र यादव के नाम की घोषणा से नेताओं से लेकर आमजन के बीच चर्चाओं का दौर चल पड़ा है। सोमवार को अलवर विधायक व राजस्थान सरकार में मंत्री संजय शर्मा किशनगढ़ बास विधानसभा क्षेत्र से पूर्व विधायक रामहेत यादव, तिजारा विधायक महंत योगी बालकनाथ सहित लोकसभा क्षेत्र से नेताओं ने कार्यकर्ताओं के साथ दिल्ली आवास पर पहुंचकर भूपेंद्र यादव को बधाई दी।

■ **यादव ने जीत का मंत्र देते हुए कहा कि सबको मिलकर प्रधानमंत्री मोदी की अबकी बार 400 पार की गारंटी को पूरा करने व विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए एक-एक घर जाकर वोट मांगने हैं**

भूपेंद्र यादव के दिल्ली आवास पर कार्यकर्ताओं को अलवर विधायक व मंत्री संजय शर्मा ने संबोधित किया। इस दौरान महंत योगी बालकनाथ, रामहेत यादव सहित विधायक व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

इस मौके पर लोकसभा प्रत्याशी व केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने अलवर लोकसभा क्षेत्र से पहुंचे कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और फोटो खिंचवाई तथा भोजन किया। यादव ने जीत का मंत्र देते हुए कहा कि सबको मिलकर प्रधानमंत्री मोदी की अबकी बार 400 पार की गारंटी को पूरा करने व विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए एक-एक घर जाकर वोट मांगने हैं। पूर्व विधायक रामहेत यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भूपेंद्र यादव को अलवर से चुनाव लड़ाकर अलवर के विकास की उड़ान को पंख लगाने के साथ अलवर को देश के मानचित्र पर लाने के संकेत पहले ही दे दिए हैं। अलवर को भूपेंद्र यादव डायमंड की खान के रूप में मिले है।

अलवर विधायक व मंत्री संजय शर्मा ने कहा भाग्यशाली है अलवर के कार्यकर्ता जिन्हें भूपेंद्र यादव जैसे नेता मिलने जा रहे हैं। तिजारा विधायक महंत योगी बालकनाथ सहित अलवर जिले से पहुंचे नेताओं ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित किया। गौरतलब है कि केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव का अलवर से गहरा रिश्ता भी है। भूपेंद्र यादव की बहन अलवर में रहती है और पिछले कई सालों से अलवर की जनता से बेहद करीबी बनाए हुए हैं।

राज्यसभा सांसद कोष से अलवर लोकसभा की प्रत्येक विधानसभा में भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं की अभिशंषा पर विकास के लिए बजट आवंटन किया है। गांवों को गोद लेकर विकास किया है। लोगों का मानना है कि अलवर को 10 साल बाद देश की राजनीति में बड़ा नाम रखने वाला नेता अलवर को मिलने वाला है। 10 साल पहले अलवर को भंवर जितेंद्र सिंह के रूप में अलवर का विकास करने वाला नेता मिला था। भंवर जितेंद्र सिंह कांग्रेस पार्टी में बड़ा नाम है। राहुल गांधी के करीबी माने जाते हैं, देश की संसद में मंत्री रह चुके हैं। अब देखने वाली बात यह होगी की भूपेंद्र यादव के सामने भंवर जितेंद्र सिंह खुद चुनाव लड़ते हैं या फिर किसी अन्य को प्रत्याशी बनवाते हैं।

लोकसभा प्रभारियों की नियुक्ति

जयपुर। भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. के. लक्ष्मण और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के निर्देशानुसार आगामी लोकसभा चुनाव के लिए ओबीसी सामाजिक सम्मेलन, युवा ओबीसी छात्रावास बैठक एवं युवा सम्मेलन लोकसभा प्रभारियों को दायित्व सौंपा गया है। ओबीसी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष चंपालाल गेदर ने बताया कि महावीर सिंह चारण को श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़, सुनील गहलोत को बीकानेर, भवानी सिंह चारण को चुरू, फूलचंद कुमावत को झुंझुनू, अंजू सैनी को सीकर, महेन्द्र सिंह पंवार को जयपुर ग्रामीण, रामेश्वर गुर्जर को जयपुर शहर, विनोद कुमार परिहार को दौसा, सुनीता चैधरी को अलवर, महेन्द्र यादव को भरतपुर, शक्ति रथ सिंह को करौली-धौलपुर, अनुराग जांगिड़ को टोंक-सवाईमाधोपुर, सुनील यादव को अजमेर, पुष्कर तेली को राजसमंद, चन्द्रभान गुर्जर को नागौर, शशि प्रकाश प्रजापत को पाली, सहीराम विश्नोई को जोधपुर, राजेन्द्र जांगिड़ को बाड़मेर, जगताराम देवासी को जालौर-सिरोही, चन्द्रशेखर सोनी को उदयपुर, जगदीश सुथार को बांसवाड़ा, हिंगलाज चारण को चित्तौड़गढ़, नन्दलाल गुर्जर को भीलवाड़ा, हीरालाल परिहार को कोटा-बूंदी और राधेश्याम बैरागी को झालावाड़ लोकसभा का प्रभारी लगाया गया है।

बारिश, ओलावृष्टि से बढ़ी ठिठुरन वाली ठंड

तापमान में भारी गिरावट

श्रीगंगानगर/सूरतगढ़, (निसं)। पश्चिमी विक्षोभ के असर से हुई बारिश और ओलावृष्टि ने इलाके के लोगों को ठिठुरन वाली ठंड का अहसास करवा दिया है। दिनभर करारी धूप खिलने के बावजूद सर्द हवा कंपकंपी छुड़ाती रही। बारिश और ओलावृष्टि से अधिकतम और न्यूनतम तापमान में गिरावट आई है। मौसम विभाग के अनुसार अधिकतम तापमान 4.2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट के साथ 22.6 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान 8.3 डिग्री सेल्सियस की भारी गिरावट के साथ 8.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

■ **फाल्गुन माह में भी फसलों पर बर्फ की चादर नजर आने लगी**

उत्तर भारत में पहाड़ों पर बर्फबारी से मैदानी इलाकों में पारा एकबार फिर जमाव बिंदू पर पहुंच गया है। फाल्गुन माह में भी फसलों पर बर्फ की चादर नजर आने लगी है। क्षेत्र में दो दिन से बादलवाही व हल्की बरसात के बाद अलसुबह फसलों पर बर्फ की चादर जमी नजर आई। दिनभर सर्द हवाएं नश्तर की भांति चुभती महसूस हुई। तेज हवाएं चलने से भी फसलें औंधी गिरने लगी हैं। इससे गेहूं, सरसों, चना आदि फसलों में दाना खराब होने का खतरा बढ़ गया है। मौसम विभाग की मानें तो, आगामी तीन दिन तक सर्दी के तेवर तीखे बने रहने के आसार हैं।

सूरतगढ़, पहाड़ों में बर्फबारी से क्षेत्र में मौसम परिवर्तन हुआ और सर्दी के तेवर फिर से तीखे हो गए। यहां पाला पड़ने की स्थिति रही। ग्रामीण क्षेत्रों में फसलों पर बर्फ जम गई। दिनभर ठण्डी हवाओं के दौर से एक बार फिर ठिठुरन बढ़ गई। मौसम में बदलाव के कारण पाळा पडने का खतरा देखते हुए किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें गहरा गई।

सिद्धुवाल, क्षेत्र में मौसम के पलटने से किसानों की चिंता बढ़ गई। दिनभर तेज हवाओं का दौर जारी रहा। वही, अलसुबह तूड़ी पर बर्फ जम गई। मौसम परिवर्तन से फसलों को नुकसान होगा। इससे किसान वर्ग चिंतित नजर आ रहे हैं।

पेपरलीक मामले में महिला एसआई हिरासत में

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। पुलिस उप निरिक्षक परीक्षा को लेकर पेपर लीक के तार किशनगढ़ से भी जुड़े हुए है। एसओजी की टीम पुलिस ट्रेनिंग सेंटर (आरपीटीसी) किशनगढ़ में ट्रेनिंग कर रही महिला सब इंस्पेक्टर विश्नोई को हिरासत में लेकर जयपुर ले गई। हालांकि स्थानीय पुलिस को कार्यवाही की भनक तक नहीं लग सकी। पुरा मामला वर्ष 2021 पुलिस उप निरिक्षक परीक्षा से जुडा हुआ है। दरअसल पुलिस की गिरफ्त में आया पेपर लीक गैंग के सदस्य हर्षवर्धन मीणा ने पूछताछ के दौरान चौकाने वाले खुलासे करने के साथ इसके आवास से बरामद दस्तावेजों के आधार पर एसओजी टीम संभावित ठोर ठिकानों पर छापामार कार्यवाही कर रही है। अंडर ट्रेनिंग एसआई पेपरलीक गैंग के सदस्य हर्षवर्धन मीणा ने अपनी पत्नी के स्थान पर भी डमी कैंडिडेट बैठाकर परीक्षा पास कराई थी। पर वह फिजिकल टेस्ट के दौरान बाहर हो गई थी।

जैसलमेर में ''भारत-शक्ति युद्धाभ्यास'' 12 मार्च को

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर जिले में स्थित एशिया की सबसे बड़ी पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में भारत की तीनों सेनाएं सबसे बड़ा युद्धाभ्यास भारत-शक्ति नाम से 12 मार्च को करने जा रही है। इस युद्धाभ्यास में तीनों सेनाएं भारत में निर्मित हथियारों की ताकत का प्रदर्शन करेंगी। भारतीय सेना की इस ताकत को देखने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी 12 मार्च को पोकरण आ सकते हैं। इस युद्धाभ्यास में सिर्फ स्वदेशी तरीके से विकसित किए गए वेपन हथियार और सिस्टम को शामिल किया जाएगा। पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में 12 मार्च को होने जा रहे युद्धाभ्यास में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान समेत तीनों सेनाओं के शीर्ष अधिकारी शामिल होंगे। इस युद्धाभ्यास के दौरान आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा देखने को मिलेगी।

■ **भारतीय सेना की ताकत को देखने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी 12 मार्च को पोकरण आ सकते हैं**

सैन्य सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक इस युद्धाभ्यास के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सैन्य नेतृत्व को सैन्य मामलों में रणनीति-आधारित क्रांति विकसित करने को कह सकते हैं। जिसके तहत भारत, भारतीय भूगोल एवं इसके सुरक्षा खतरों से निपटने की रणनीति शामिल हो। ऐसा कहा जा रहा है कि भारत शक्ति नाम के इस युद्धाभ्यास में भारत में तैयार डिफेंस प्लेटफॉर्म और नेटवर्क आधारित सिस्टम को टेस्ट किया जाएगा। इससे युद्धाभ्यास से स्वदेशी हथियारों की ताकत के बारे में भी पता चलेगा।

पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में होने वाले युद्धाभ्यास में तेजस लड़ाकू विमान के अलावा के-9 आर्टिलरी गन, स्वदेशी ड्रोन, पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर्स और शॉर्ट रेंज की मिसाइलें देखने को मिलेंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के आव्हान के बाद से ही देश की तीनों सेनाएं भारतीय सेना के जरिए विकसित सुरक्षित मोबाइल टेलीफोनी जैसी टेक्नोलॉजी के विकास पर केंद्रित हो गई हैं।

''भारत-शक्ति युद्धाभ्यास'' में स्वदेशी कम्युनिकेशन और नेटवर्क की क्षमता का परीक्षण किया जाएगा। जिससे इस बात का पता लगाया जा सके कि क्या दुश्मन देश युद्ध के हालात में उन्हें हैक कर सकता है या नहीं। इसके साथ ही भारत शक्ति युद्धाभ्यास में तीनों सेनाओं को एक साथ काम करने का मौका मिलेगा। आमतौर पर तीनों सेनाएं अलग-अलग तरीके से काम करती हैं।

गौरतलब है कि भारतीय सेना सौ फीसदी स्वदेशी बन चुकी है। भारत सरकार अब भारतीय नौसेना और वायुसेना को भी स्वदेशी बनाने पर जोर दे रही है। केंद्र सरकार का उद्देश्य है कि पनडुब्बी निर्माण और एयरक्राफ्ट इंजन मैन्युफेक्चरिंग में भी स्वदेशी तकनीकी का इस्तेमाल किया जाए। वर्तमान में सरकार को एयरक्राफ्ट इंजन या फिर कुछ सबसे बेहतरीन लड़ाकू विमानों के लिए विदेशों पर निर्भर रहना पड़ता है।

MUNICIPAL CORPORATION KOTA-SOUTH, KOTA, RAJASTHAN

Rajeev Gandhi Bhawan, Dusshera Ground, CAD Circle, Kota
email : nnksouth@gmail.com, website : www.urban.rajasthan.gov.in/nnks, Tel Ph. No. : 0744-2502142

No :- NNK/South /Fire / 2024 /730-742 Date : 01-03-2024

E-Tender

Municipal Corporation Kota South invites on line tender from placement agency/firm/contractor for below mentioned work (Supply Work of Heavy Vehicle Driver (Experienced & Trend) 12 Months (30 Nos.) Amount 60.00 Lacs Detailed tender document can be download form website www.sppp.rajasthan.gov.nic.in, e-proc.rajasthan.gov.in and www.rajasthan.gov.in/nnks.

UBN No. DLB2324SLOB34825
राज.संवाद/सी/23/14171 Additional Commissioner

Office of the Executive Engineer, PHED, PDR, City Div. II, Bikaner

No. 2973-91 Date: 28.02.2024

Notice Inviting Bid: 64-70/2023-24

Bid for various works are invited to registered interested bidder upto 06.03.2024 upto 06.00 PM. Other particulars of bid may be visited on the Procurement Portal http://sppp.raj.nic.in and http://eproc.rajasthan.gov.in of the state. The approximate value of the Bids of Rs. 196.11 Lacs.
UBN No. PHE2324WSOB13931, PHE2324WSOB13932, PHE2324WSOB13933, PHE2324WSOB13935, PHE2324WSOB13936, PHE2324WSOB13938 & PHE2324WSOB13939

जल सीमित हैं, इसकी बचत करें।
DIPR/C/1946/2024 Executive Engineer PHED, PDR City Div. II, Bikaner

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड-करौली।

क्रमांक-ई.ई/करौली/निविदा/2023-24/3641-3660 दिनांक- 29.02.2024

अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या 02/2023-2024

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से राजस्थान राज्य के करौली में सडक एवं भवन कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के ''एए'' ''ए'' ''बी'' एवं ''सी'' श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण बेवसाईट "www.dipronline.org व http://www.pwd.rajasthan.gov.in/l www.eproc.rajasthan.gov.in एवं "www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

NIB Code- PWD2324A4834
S.No. UBN NO.
1 PWD2324WSOB20907
DIPR/C/1806/2024

(नगेन्द्र कुमार महावर) अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड करौली

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड-टोडाभीम

क्रमांक-ई.ई/टी.डी.एम/अनु.-III(TA)/निविदा/2023-24/2437-2446 दिनांक- 29.02.2024

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या 14/2023-2024

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला गंगापुर सिटी में सडक कार्य करवाने के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के ''एए'' ''ए'' ''बी'' ''सी'' एवं ''डी'' श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से वार्षिक दर अनुबन्ध करने हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र मुं प्राप्त की जावेगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेबसाईट "www.dipronline.org व http://www.pwd.rajasthan.gov.in/l www.eproc.rajasthan.gov.in एवं "www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

UBN NO.
1. PWD2324WSRC20878, 2. PWD2324WSRC20882, 3. PWD2324WSRC20884,
4. PWD2324WSRC20885, 5. PWD2324WSRC20886, 6. PWD2324WSRC20887

(के.के. मीना) अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड टोडाभीम (मो.नं. 9772551400)
DIPR/C/1958/2024

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्

भू- तल, ब्लॉक-6, डॉ.एस. राधाकृष्णन शिक्षा संकुल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर, फोन नं: 0141-2700459

क्रमांक :- F-5(1)(187)RCSCE/Civil/SMSA/NIT 2023-24/2023/Vol-47/D-9614 दिनांक :- 01/03/2024

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या 29 (सिविल)/2023-24
(राजकीय विद्यालयों/के.जी.बी.वी./नेताजी सुभाष चन्द्र बोस हॉस्टल के निर्माण/मरम्मत कार्यों हेतु)

राज्य एवं केन्द्र सरकार के राजकीय/अर्द्धशासकीय/स्वायत्तशासी निकायों में सक्षम श्रेणी में निर्माण कार्यो हेतु पंजीकृत संवेदकों से समग्र शिक्षा, STARS Project 2023-24, स्वच्छ भारत कोष, पी.एम.श्री. वर्ष 2023-24, नाबार्ड, एवं DMFT, मुख्यमंत्री जनसहभागिता विद्यालय विकास योजना एवं अन्य योजनान्तर्गत स्वीकृत 266 राजकीय विद्यालयों/के.जी.बी.वी./नेताजी सुभाष चन्द्र बोस हॉस्टल के निर्माण/मरम्मत कार्यों हेतु राशि रू. 6152.91 लाख (प्रति कार्य की राशि रूपये 2.16 लाख से 412.25 लाख के मध्य) बाबत् कार्यवार ई-टेण्डरिंग के माध्यम से अप्लकालीन ई-निविदाऐं 04/03/2024 प्रातः 10.00 बजे से 11/03/2024 को सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। UBN :- RSE2324WSOB02748

- निविदा से सम्बधित समस्त विस्तृत विवरण वेबसाईट http://rajsmsa.nic.in, http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
- निविदा से सम्बन्धित प्रक्रिया जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा कार्यालय सम्बन्धित जिला के स्तर से की जावेगी।

राज.संवाद/सी/23/14179 राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा

सीनियर सैकण्डरी की बोर्ड परीक्षाएं शुरू

परीक्षाएं शुरू होने के दौरान परीक्षार्थियों में काफी उत्साह नजर आया

परीक्षा समाप्ति के बाद केन्द्र से बाहर आते हुए परीक्षार्थी।

फुलेरा, (निसं)। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान अजमेर के द्वारा जारी उच्च माध्यमिक कक्षाओं की बोर्ड परीक्षाएं सोमवार से प्रारंभ हो चुकी है। इसके चलते कस्बे की जोबनेर रोड स्थित महात्मा गांधी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के बोर्ड परीक्षा प्रभारी पांचूराम प्रजापति ने बताया कि परीक्षा केन्द्र पर प्रथम दिवस 464 में से 460 परीक्षार्थी उपस्थित होकर परीक्षा दी है।

इसी क्रम में हलवाई बाजार रेलवे स्टेशन के निकट संचालित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय की केन्द्राधीक्षक नविता वर्मा ने बताया ने जानकारी देते हुए बताया कि उक्त परीक्षा केन्द्र पर 240 में से कुल 239 परीक्षार्थियों ने हिस्सा लिया। गौरतलब है कि परीक्षा प्रथम पारी में प्रातः 8:30 बजे से प्रातः 11:45 बजे तक संपन्न करवाई गई। जिसमें दोनों परीक्षा केन्द्रों पर राजकीय और गैर राजकीय विद्यालय के कुल 699 परीक्षार्थियों ने परीक्षा में अपनी उपस्तिथि दर्ज कराई। जबकि उक्त दोनों केन्द्रों पर कुल 704 परीक्षार्थी रजिस्टर्ड किये गये थे।

इसके साथ ही महात्मा गांधी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के केन्द्राधीक्षक डॉ. संजय यादव ने बताया कि परीक्षाओं को लेकर विभागीय नियमों की पूर्ण पालना की जा रही है। इसके चलते परीक्षार्थियों को गहन जांच के उपरांत एवं मूल प्रवेश पत्र के आधार पर ही परीक्षा कक्ष में प्रवेश दिया गया। वहीं परीक्षाएं शुरू होने के दौरान परीक्षार्थियों में काफी उत्साह नजर आया। परीक्षार्थी फरहान खान रोहित जैन, रोहित बागवानी और अभिषेक गहलोत ने बताया कि बोर्ड द्वारा जारी ब्लू प्रिंट के आधार पर ही प्रश्न पत्र आया था। जिससे हमें प्रश्नों को समझने में आसानी रही और प्रश्न पत्र हल किया। वहीं परीक्षा देने के पश्चात परीक्षा केन्द्र के बाहर विद्यार्थियों ने अपने टीचर्स के साथ पेपर के बारे में विचार विमर्श करते हुए नजर आए। इस मौके पर बच्चों के साथ कई शिक्षक और अभिभावकगण नजर आये।

परीक्षा में दो फर्जी परीक्षार्थी व एक नकलची पकड़ा

अजमेर, (कासं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की सीनियर सैकण्डरी परीक्षा में सोमवार को जोधपुर के औसियां में दो फर्जी परीक्षार्थी पकड़ में आए। नकल का एक मामला सामने आया है। इन सभी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है।

■ **जोधपुर के औसियां में दो फर्जी परीक्षार्थी पकड़ में आए**

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के सचिव कैलाश चन्द्र शर्मा ने बताया कि नकल रोकने के लिए तैयार टीम ने नागौर जिले के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बरनेल में आकस्मिक चौकिंग के दौरान एक परीक्षार्थी नकल करते पकड़ा गया। इसके साथ ही राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय औसियां जोधपुर में नकल के दो प्रकरण पकड़े गए। स्वयंपाठी परीक्षार्थी के स्थान पर उपस्थिति पत्रक पर वीक्षक द्वारा हस्ताक्षर करवाते वक्त हस्ताक्षर संदेहपूर्ण लगने पर परीक्षार्थी पर संदेह हुआ। इसकी सूचना पर्यवेक्षक को दी गई। पर्यवेक्षक ने केन्द्राधीक्षक को अवगत करवाने पर जांच में पाया गया कि परीक्षार्थी फर्जी आधार कार्ड बनाकर उपस्थित हुआ है।

इसके बाद टीम द्वारा सघन तलाशी में एक और फर्जी परीक्षार्थी की पहचान की। इसमें मूल परीक्षार्थी के स्थान पर अन्य फर्जी परीक्षार्थी के रूप में उपस्थित हुआ। इन दोनों परीक्षार्थियों का नियमानुसार बयान दर्ज कर आवश्यक कार्यवाही कर पुलिस थाना औसिंया में मुकदमा दर्ज करवाकर दोनों को पुलिस के सुपुर्द किया गया।

शगुन के 2.51 लाख रूपये लौटाए

जयपुर। शादी में मिले शगुन के 251000 वापस देकर सम्मान के तौर पर एक रुपया रखकर राजपूत समाज में मिसाल कायम की। रतनगढ़ चूरू के रहने वाले रतन सिंह राठौर के सुपुत्र किशन सिंह की शादी नाथूसर नांगल श्रीमाधोपुर निवासी चंचल कंवर पुत्री उम्मेद सिंह शेखावत से हुई जिसमें कन्या पक्ष की तरफ से वर पक्ष को 251000 रुपए नगद शगुन के तौर पर दिए गए जिसे वर पक्ष ने स सम्मान वापस लौटा कर 1 रुपया शगुन का रखकर राजपूत समाज में दहेज प्रथा के खिलाफ एक मिसाल कायम की।

प्रदेश प्रवक्ता और प्रदेश पैनलिस्ट की नई टीम की घोषणा

जयपुर। आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों के बीच भाजपा ने अपने मीडिया योद्धाओं की नई टीम को मैदान में उतार दिया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी के निर्देश पर रविवार देर रात को प्रदेश प्रवक्ता और प्रदेश पैनलिस्ट की नई टीम बनाई गई है, इसके साथ ही प्रदेश कार्यालय प्रभारी का नाम भी सूची मे जारी किया गया है। वहीं, प्रदेश कार्यालय प्रभारी का जिम्मा मुकेश पारीक को दिया गया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी के निर्देश के बाद जारी की गई सूची में कुलदीप धनकड़, लक्ष्मीकांत भारद्वाज, रामलाल शर्मा, अशोक सैनी, पूजा कपिल मिश्रा, अभिमन्यु सिंह राजवी, राजकुमार वर्मा, माधोराम चौधरी, राखी राठौड़, पंकज मीणा आदि को प्रदेश प्रवक्ता बनाया गया है।

कार्यालय नगर परिषद डूंगरपुर (राज.)

(का) :- 02964-232459, फैक्स :- 02964-233690, Email Id:-npd.dpr@gmail.com

क्रमांकः- स्टोर/न.प.डूं/2023-24/4961 दिनांक :-28.02.2024

निविदा सूचना संख्या 22/2023-24

नगरपरिषद् डूँगरपुर के ओर से कार्य के अनुभवी एवं स्थानीय व्यवसायीयों से निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रकिया हेतु ऑनलाईन निविदाए आमन्त्रित की जाती है। निविदा से संबधित विवरण इन्टरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in/www.sppp.raj.gov.in पर उपलब्ध है।

कुल निविदा के कार्य	:	1 कार्य
निविदा की लागत	:	15.00 लाख
कुल धरोहर राशि	:	अनुमानित लागत की दो प्रतिशत 24000/-
ऑन लाईन निविदा फार्म मिलने की तारीख	:	28.02.2024 प्रातः 11.00 बजे से 11.03.2024 सांय 6.00 बजे तक
ऑन लाईन निविदा फार्म जमा कराने की तारीख	:	28.02.2024 प्रातः 11.00 बजे से 11.03.2024 सांय 6.00 बजे तक
कार्यालय में डी.डी.जमा कराने की तारीख	:	12.03.2024 दोपहर 2.00 बजे तक
ऑन लाईन निविदा खोलने की तारीख	:	13.03.2024 प्रातः 11.00 बजे से

NIB code DLB2324A9247 & UBN NO. DLB2324SLOB34246
सभापति आयुक्त
राज.संवाद/सी/23/14169

निजी के समान सरकारी स्कूलों में भी हो बेहतरीन शैक्षणिक सुविधाएं : भजनलाल शर्मा

'जहां आवश्यक हों वहां प्राथमिकता से हो शिक्षकों की नियुक्ति'

- शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा, ''राजस्थान बने उत्कृष्ट शिक्षा का मॉडल''
- 'राज्य सरकार संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये संकल्पबद्ध'

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक विद्यार्थी को शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। हमारा उद्देश्य गांव, कस्बे से लेकर शहर तक शिक्षा का ऐसा वातावरण विकसित करना है, जिससे हर वर्ग का विद्यार्थी सुंदर भविष्य का सपना देख सके और उसे पूरा भी कर सके।

शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में स्कूल, उच्च, तकनीकी एवं संस्कृत शिक्षा विभागों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निजी क्षेत्र के विद्यालयों के समान राजकीय विद्यालयों में भी आवश्यक शैक्षणिक सुविधाएं एवं संसाधन उपलब्ध कराने की योजना बनाने के निर्देश दिए ताकि जरूरतमंद परिवार के विद्यार्थी को भी उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मुहैया कराई जा सके। उन्होंने कहा कि राजकीय विद्यालयों में शिक्षक कठिन परीक्षा को पास कर नियोजित होते हैं। उनमें विद्यार्थियों के भविष्य को बनाने की पूर्ण क्षमता होती है। मुख्यमंत्री ने राजकीय विद्यालयों में रिक्त पदों को भरने के लिए मानव संसाधनों के सामंजस्य पूर्वक उपयोग की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने विद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या के आधार पर शिक्षकों की नियुक्ति करने के लिए नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। इससे जिन विद्यालयों में शिक्षकों की कमी है, वहां विद्यार्थियों को प्राथमिकता से एवं समय पर शिक्षक मिल सकेंगे।

शर्मा ने कहा कि शिक्षकों के अनियमित स्थानान्तरण के कारण विद्यालयों की शिक्षण व्यवस्था प्रभावित होती है। इसके समाधान के लिए शिक्षा विभाग को पारदर्शी स्थानान्तरण नीति तैयार करनी चाहिए। इससे शिक्षकों का योग्यता के आधार पर एवं सही समय पर स्थानान्तरण सुनिश्चित हो सकेगा। उन्होंने अधिकारियों को शिक्षा के सुधार के लिए कुछ जिलों में नवाचार करने के निर्देश भी दिए। जिन्हें निकट भविष्य में पूरे प्रदेश में लागू किया जा सके और राजस्थान पूरे देश में उत्कृष्ट शिक्षा का मॉडल बनकर उभरे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्कृत भाषा के ज्ञान से व्यक्ति के आचार, विचार और संस्कार में सकारात्मक बदलाव आता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए संकल्पबद्ध है और इस दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय ले रही है। उन्होंने संस्कृत शिक्षा विभाग को शिविर एवं गोष्ठियों का आयोजन कर विद्यार्थियों को संस्कृत शिक्षा के प्रति प्रेरित करने के निर्देश दिए। साथ ही, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए विभागीय वार्षिक कलेण्डर प्रकाशित करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोरा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) शिखर अग्रवाल, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव उच्च एवं तकनीकी शिक्षा सुबीर कुमार, स्कूल शिक्षा सचिव कृष्ण कुणाल, संस्कृत शिक्षा सचिव पूनम सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने सोमवार को राजभवन पहुंच कर राज्यपाल कलराज मिश्र से मुलाकात की। राज्यपाल मिश्र से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

कांग्रेस ने बदली रणनीति, कई सीटों पर नए लोगों को मौका देगी

- भाजपा से नाराज तबके को साथ लाने में जुटे स्थानीय नेता
- जाट और बिश्नोई समाज की नाराजगी भुनाने की तैयारी
- कई सीटों पर नेताओं के परिजन भी उम्मीदवारी की दौड़ में

जयपुर, (का.प्र.)। भाजपा की लोकसभा उम्मीदवारों की सूची जारी होने के बाद अब कांग्रेस भी अपनी सूची की तैयारी में है, लेकिन राजस्थान में भाजपा की ओर से पांच सांसदों के टिकट काटने और दो कांग्रेस से गए नेताओं को टिकट देने के बाद पार्टी ने अब अपनी रणनीति बदल ली है और इस बदली रणनीति में भाजपा से नाराज नेताओं को अपने पाले में करने के साथ ही कुछ सीटों पर पहले से तय किए गए नाम में बदलाव की तैयारी की जा रही है। इस तैयारी में इस बार कांग्रेस नए चेहरों को ज्यादा सामने लाने की सोच रही है।

इससे पहले पार्टी की स्क्रीनिंग कमेटी की अध्यक्ष रजनी पाटिल राजस्थान के दौरे पर आई थी,तो सभी नेताओं से चर्चा हो चुकी थी। उसके बाद सभी नेताओं से दिल्ली में अलग से भी चर्चा करके राजस्थान के नाम को लेकर पार्टी में अंतिम रूप से पैनल तैयार कर लिया था। उम्मीदवारों के नामों को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा का भी यही कहना है कि कांग्रेस ने सभी 25 सीटों पर उम्मीदवारों के नामो का फैसला कर लिया है, लेकिन अब कुछ सीटों पर रणनीतिक बदलाव पार्टी करने जा रही है और भाजपा सरकार में केंद्रीय मंत्री रहे नेताओं को घेरने के लिए कांग्रेस अब नए चेहरों पर दाव लगाने जा रही है।

हालांकि कांग्रेस में कई नेताओं के परिवारजन लोकसभा उम्मीदवारी की लाइन में लगे हैं। इनमें जालौर सिरोही से पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत, झालावाड़ बारां से जिला प्रमुख और मंत्री प्रमोद जैन भाया की पत्नी उर्मिला जैन भाया, बांसवाड़ा डूंगरपुर से पूर्व मंत्री अर्जुन बामनिया के पुत्र विकास बामनिया, नागौर से नाथूराम मिर्धा के पौत्र मनीष मिर्धा और विधायक हरेन्द्र मिर्धा के बेटे राघवेंद्र मिर्धा के अलावा श्री गंगानगर से पूर्व मंत्री हीरालाल इंदौरा के बेटे और वर्तमान जिला प्रमुख कुलदीप इंदौरा का नाम प्रमुख रूप से सामने आया है।

इधर कांग्रेस का मानना है कि जिस तरह से चूरू में भाजपा ने राहुल कसवां का टिकट काटा है, उसके बाद पूरी शेखावाटी में चर्चा है कि यह टिकट राजेंद्र राठौड़ की वजह से काटा है। खुद राहुल कसवां भी जिस तरह से सोशल मीडिया पर बगावती तेवर अपना रहे हैं,उसमे कांग्रेस नेता तो इस मामले में कुछ नहीं बोल रहे, लेकिन आम कार्यकर्ताओं के जरिए लोगों में भाजपा को जाट विरोधी पार्टी घोषित के प्रयास किया जा रहे हैं। वही इस बार भी किसी बिश्नोई को राजस्थान से लोकसभा का टिकट नहीं मिलने को लेकर भी कांग्रेस इस बात को प्रचारित करने में जुट गई है कि बीजेपी इन जातियों को तवज्जो नहीं दे रही है।

कुल मिलाकर अब तक कांग्रेस में जिन नामों को लेकर कवायद हुई है। अब कुछ सीटों जिनमें चुरु, झुन्झनू ,सीकर के अलावा करौली धौलपुर, भरतपुर, टोंक-सवाई माधोपुर, कोटा बूंदी और जोधपुर तथा नागौर में नए नाम की कवायद की जा रही है, ताकि इन सीटों पर भाजपा को पटकनी दी जा सके। कुल मिलाकर कांग्रेस आने वाले एक सप्ताह के अंदर इन तमाम सीटों पर चर्चा करने के बाद उम्मीदवारों के नाम तय कर लेगी, लेकिन घोषणा 15 मार्च के आसपास ही संभावित है।

जल संसाधन विभाग के चार अभियंता ए.पी.ओ.

जयपुर,(का.सं.)। जल संसाधन विभाग ने गोगुन्दा में हुई अव्यवस्था के चलते एक अधिशाषी अभियंता को एपीओ किया है। वहीं एक अतिरिक्त मुख्य अभियंता को हटाया गया है। इसके साथ ही तीन अन्य अभियंताओं को भी एपीओ किया गया है।

आदेशानुसार देवास में मोहनलाल सुखाड़िया जल अपवर्तन खंड देवास में अधिशाषी अभियंता महेन्द्र चारण को एपीओ किया है, वहीं अतिरिक्त मुख्य अभियंता राजेश टेपण का अतिरिक्त कार्यभार हटाया गया है।

इसके साथ ही इस आदेश में धौलपुर के अधीक्षण अभियंता डी.के.अग्रवाल, जयपुर के अधीक्षण अभियंता सुरेश मीणा, बागीदौरा के सहायक अभियंता विजश कुमार बालेसा को एपीओ किया गया है। वहीं सहायक अभियंता अनिल कलसुआ का तबादला निरस्त किया गया है।

गौलतलब है कि एक मार्च को गोगुन्दा (उदयपुर) में आयोजित मुख्यमंत्री की सभा में जल संसाधन विभाग के अधिकारियों द्वारा उचित योजना/प्रबंधन के अभाव में अव्यवस्था उत्पन्न हो गई थी। जनसभा के दौरान टेन्ट व्यवस्था सही प्रकार से नहीं थी। मुख्यमंत्री के मंच पर रहते हुए ही टेंट आंशिक रुप से हवा में उड़ गया जिससे कोई दुघर्टना हो सकती थी।

ईडी ने जयपुर एयरपोर्ट से विदेश भाग रहे एक शातिर ठग को पकड़ा

आरोपी रफीक खान कॉल सेंटर चलाकर विदेशों में ठगी करता था

- अपना व्यापार समेट कर विदेश भागने की तैयारी कर रहा था

जयपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने सोमवार को जयपुर एयरपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए विदेश भाग रहे एक शातिर ठग को गिरफ्तार किया है।

आरोपी जयपुर से शारजाह (यूएई) निकलने का प्रयास कर रहा था। गिरफ्तार आरोपी रफीक खान कॉल सेंटर चलाकर विदेशों में ठगी करता था। ईडी कोर्ट में पेश कर पूछताछ के लिए रिमांड पर लेगी। ईडी के अनुसार सोमवार सुबह जानकारी मिली की आरोपी रफीक खान अपना व्यापार समेट कर विदेश भागने की तैयारी कर रहा है।

इस पर ईडी की टीम एयरपोर्ट पर तैनात थी। आरोपी पौने आठ बजे एयरपोर्ट पर पहुंचा। इस दौरान वहां तैनात ईडी की टीम ने उसे पकड़ लिया और ईडी कार्यालय लाकर पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। आरोपी रफीक खान ने पुलिस से बचने के लिए लोकल युवती और युवकों को कॉल सेंटर में नौकरी पर लगा रखा था। जिनका काम केवल विदेशियों को कम ब्याज पर पैसा लेने के लिए तैयार करना था। जैसे ही विदेशी तैयार होता कॉल सेंटर में काम करने वाले लोग उनके ऊपर बैठे लोगों को जानकारी देते। इसके बाद ये लोग उनसे ठगी किया करते थे।

गौरतलब है कि एक माह पहले विदेश मंत्रालय से मिली जानकारी के बाद ईडी ने राजस्थान में अलग-अलग जगहों से ऑपरेट हो रहे कॉल सेंटर के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी। इन सेंटर पर विदेशी लोगों के साथ ठगी की शिकायत दर्ज की गई थी।

इसके बाद ईडी ने राजस्थान के अलग-अलग इलाकों में पुलिस की मदद से रेड की थी। इस दौरान पुलिस ने कई लोगों को फर्जी कॉल सेंटर चलाने के मामले में गिरफ्तार किया था। जयपुर में श्याम नगर, सोडाला और मुहाना में ये फर्जी कॉल सेंटर चल रहे थे। इन कॉल सेंटर को संचालित करने वाले मुख्य आरोपी रफीक खान की पुलिस को काफी समय से तलाश थी। साथ ही वह ईडी के भी रडार पर था। यह लोग कॉल सेंटर खोल कर उसमें अच्छी अंग्रेजी बोलने वाले युवक और युवतियों को भर्ती करते थे। उनसे विदेश में फोन कॉल करवाते और अपना कम ब्याज का प्लान उन लोगों को बताया करते थे। जो लोग इन के झांसे में फंसते। उनसे लोन पास करने के बदले अच्छी रकम ठग लिया करते थे।

उधर दूसरी ओर ईडी ने जल जीवन मिशन मामले में 29 फरवरी को पीयूष जैन को गिरफ्तार किया है। ईडी ने उसे विशेष न्यायालय जयपुर में पेश किया जहां से उसे पीयूष जैन को चार दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया गया।

जनता में जागरूकता से ही कम होगा भ्रष्टाचार : राजीव शर्मा

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के महानिदेशक राजीव शर्मा ने कहा है कि राज्य सरकार की भ्रष्टाचार के विरूद्ध जीरो-टोलरेन्स की नीति को सुचारू रूप से लागू करने की मंशा के अनुरूप भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए आमजन को भ्रष्टाचार के विरुद्ध जागरूक करने की जरूरत है। शर्मा ने बताया कि ब्यूरो द्वारा आमजन को भ्रष्टाचार के विरुद्ध जागरूक करने के उद्देश्य से सोमवार को विशेष प्रचार-प्रसार अभियान आयोजित किया गया। इसके तहत प्रदेश में सोमवार को आमजन को भ्रष्टाचार के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एसीबी की सभी शाखाओं के माध्यम से विशेष जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया।

उन्होंने बताया कि एक ही दिन में सभी शाखा प्रभारी अपने क्षेत्र के सरकारी, अर्द्धसरकारी एवं सार्वजनिक स्थानों पर एसीबी के जागरूकता पोस्टर चस्पा किये गए। साथ ही एसीबी टीम द्वारा उक्त कार्यालय कर्मियों एवं आमजन से भ्रष्टाचार के विरूद्ध जागरूकता विषय पर संवाद भी किया गया।

उन्होंने बताया की इस अभियान के तहत एसीबी के टोल फ्री नम्बर एवं व्हाट्सएप नम्बर को ज्यादा से ज्यादा आमजन में प्रचारित किया जा रहा है। जिससे आमजन निर्भय होकर एसीबी के पास भ्रष्टाचार संबंधी शिकायत दर्ज करा सकेंगे।

शर्मा ने बताया कि आज प्रदेश भर के उक्त चिह्नित कार्यालयों में लगाए गए पोस्टर्स पर एसीबी के हेल्पलाईन नम्बर 1064 एवं व्हाट्सएप नम्बर 9413502834 प्रदर्शित किये गए हैं।

एस.आई.भर्ती परीक्षा मामले में एस.ओ.जी. ने 15 एसआई को गिरफ्तार किया

एसओजी ने आरपीए से बारह और किशनगढ़, भीनमाल और गुढ़ामलानी से एक-एक प्रक्षिशु एसआई को हिरासत में लिया

- इन आरोपियों में बैच का टॉपर भी शामिल हैं।
- सूत्रों के अनुसार आरपीए में ट्रेनिंग ले रहे प्रशिक्षु एसआई में करीब 25 फर्जी तरीके से पास हुए हैं।

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) की टीम ने एसआई भर्ती परीक्षा 2021 मामले में सोमवार सुबह राजस्थान पुलिस अकादमी (आरपीए) पहुंची और वहां ट्रेनिंग ले रहे बारह एसआई को पकड़ा। साथ ही एक एसआई को किशनगढ़ ट्रेनिंग सेंटर तो एक-एक को भीनमाल और गुढ़ामलानी से हिरासत में लिया। पन्द्रह एसआई को टीमें जयपुर एसओजी मुख्यालय में लेकर आई है। अब इनसे पूछताछ की जा रही है। जानकारी के अनुसार इनमें इस बैच का टॉपर भी शामिल हैं।

गौरतलब है कि एसओजी ने 29 फरवरी को गिरफ्तार जेईएन भर्ती पेपर लीक के मास्टरमाइंड जगदीश विश्नोई (41) से हुई पूछताछ के बाद यह कार्रवाई की। जगदीश ने एसआई भर्ती 2021 में भी तमाम कैंडिडेट्स को पेपर उपलब्ध कराए थे। आरपीए में ट्रेनिंग कर रहे एसआई संदिग्ध पाए गए। उनके दस्तावेजों की जांच शुरू की गई। जांच एजेंसी का मानना है कि पेपर लीक कर या डमी कैंडिडेट बैठाकर ऐसे कैंडिडेट परीक्षा में पास हुए थे। आरपीए डायरेक्टर से परमिशन के बाद एसओजी की टीम आरपीए ट्रेनिंग सेंटर पहुंची थी।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एसओजी-एटीएस वीके सिंह ने बताया कि 2 फरवरी को डालूराम को आरपीए से गिरफ्तार किया गया था। डालूराम ने एसआई भर्ती-2021 परीक्षा में अपनी जगह हरचंद उर्फ हरीश को बैठाया था। पुलिस ने हरचंद को सांचैर से गिरफ्तार किया था। डालूराम से हुई पूछताछ में कई अहम जानकारी सामने आई है। बाद में डालूराम फिजिकल में पास हो गया था। वह आरपीए में ट्रेनिंग ले रहा था। डालूराम से मिले इनपुट के आधार पर एक्शन शुरू हो चुका है। इससे ट्रेनिंग कर रहे तमाम कैंडिडेट परेशानी में आएंगे। एसओजी की टीम संदिग्धों से पूछताछ करने आरपीए पहुंची। जहां 13 लोगों को पकड़ा है। पुलिस मुख्यालय को भी इस विषय को लेकर अवगत कराया गया है। आने वाले दो दिन में एसओजी इस विषय पर बड़ा खुलासा करेगी।

गिरफ्तारी के बाद डालूराम से हुई पूछताछ में सामने आया है कि आरपीए में ट्रेनिंग ले रहे 670 प्रशिक्षु एसआई में से करीब 25 फर्जी तरीके से परीक्षा में पास हुए हैं। डालूराम और पेपर लीक के मास्टरमाइंड जगदीश विश्नोई से मिले इनपुट के बाद एसओजी ने कार्रवाई की है। एसओजी से मिली जानकारी के अनुसार मौजूदा समय में पेपर लीक से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े आरोपियों ने देश छोड़ कर नेपाल का रुख कर लिया है। एसओजी ने इन बदमाशों को पकड़ने के लिए पुलिस मुख्यालय को सूची दी है। ये ऐसे बदमाश हैं जो जेल जाने से बचने के लिए विदेश भाग गए हैं। इन लोगों का लुकआउट नोटिस भी जारी कराने की तैयारी हो रही है।

राज्यपाल मिश्र से सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने की शिष्टाचार भेंट

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र से सोमवार को यहां राजभवन में राज्यसभा सांसद और प्रदेश के पूर्व शिक्षा मंत्री घनश्याम तिवाड़ी ने मुलाकात की। राज्यपाल मिश्र से तिवाड़ी की यह शिष्टाचार भेंट थी।

यूनियन बैंक ने किया पिंकाथोन का आयोजन

जयपुर, (का.सं.)। यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया जयपुर क्षेत्र की महिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा कैरियर काऊंसलिंग, स्किलिंग, ग्रूमिंग और उनके समग्र विकास हेतु एमपावर-हर के तहत समय-समय पर आयोजित किये जा रहे विभिन्न कार्यकर्मों की श्रृंखला में पिन्काथोन का आयोजन किया। पिंकाथोन की शुरूआत क्षेत्र प्रमुख प्रांजल बाजपाई एवं उपअंचल प्रमुख कविता श्रीवास्तव ने हरी झंडी दिखाकर की। बैंक की महिला स्टाफ सदस्यों द्वारा यह महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम जवाहर सर्किल जे एल एन मार्ग जयपुर में प्रात 7.30 से आयोजित किया जिसमें सैकड़ों अधिकारियों ने 3 किलोमीटर दौड़ लगाकर नारी शक्ति की ताकत का सन्देश दिया। महिला विंग की कमान सम्भाल रही एचआर अधिकारी मोनिका बंसल ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं में अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता पैदा करना एवं देश के विकास में उनकी भागेदारी सुनिश्चित करना है। इस तरह के कार्यक्रम आगामी अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किये जा रहे हैं जो लगातार आयोजित होते रहेंगे। महिलाओं को इस तरह के कार्यक्रमों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए।

आईआरएस के 77वें बैच के लिए नेशनल सिक्योरिटी मॉड्यूल प्रशिक्षण शुरू

जयपुर। केंद्रीय गृह मंत्रालय के पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के तहत केन्द्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण संस्थान (सीडीटीआई) जयपुर की ओर से इंडियन रेवेन्यू सर्विस (इन्कम टैक्स) के 77वें बैच के 91 अधिकारियों के लिए तीन दिवसीय नेशनल सिक्योरिटी मॉड्यूल प्रशिक्षण सोमवार को शुरू हुआ। सीडीटीआई के निदेशक एवं डीआईजी डॉ. अमनदीप सिंह कपूर ने बताया कि उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि पूर्व महानिदेशक सीमा सुरक्षा बल एम.एल. कुमावत एवं विशिष्ट अतिथि प्रिसिंपल डायरेक्टर ऑफ इनकम टैक्स (अन्वेषण) सुधांशु शेखर झा रहे। उद्घाटन सत्र के अवसर पर कुमावत ने बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा में आईआरएस अधिकारियों की महत्ती भूमिका है।

नाम परिवर्तन

मेरा पूर्व में नाम गायत्री देवी पत्नी करनीसिंह राठौड़ था अब मैंने मेरा नाम गायत्री देवी से बदलकर राज कँवर पत्नी करनीसिंह राठौड जाति राजपूत हनुमान हत्था बीकानेर रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जावे।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे बीकानेर भारत के राष्ट्रपति की ओर से इच्छुक ठेकेदारों से निम्न लिखित कार्य के लिए दिनांक 18.03.2024 को 15.00 बजे तक खुली ई-निविदा आमंत्रित करते है:- **निविदा संख्या**: 164; **कार्य का नाम व स्थान**: सहायक मंडल इंजीनियर, भिवानी के अधीन रेवाड़ी-भिवानी खण्ड पर स्थित झारली स्टेशन पर रनिंग रूम का प्रावधान करना।**अनुमानित लागत मूल्य**: Rs. 18981697.09; **धरोहर राशि**: Rs. 244900.00; **नोटः**- अन्य शर्ते रेलवे की वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है।

286-AN/24

हमें /NWRailways पर फॉलो करें

कार्यालय नगरपालिका श्रीविजयनगर जिला अनूपगढ(राज.)

क्रमांक-7170 दिनांक-15.2.2024

आपत्ति सूचना

श्रीमति गुडडी देवी पत्नी श्री सोहन लाल कुम्हार साकिन श्री विजयनगर ने प्रार्थना पत्र के साथ हक त्याग पत्र सहमति पत्र श्री सोहनलाल पुत्र श्री जैसाराम का मृत्यु प्रमाण पत्र की फोटोप्रति, सदस्य प्रमाणपत्र की फोटोप्रति (जो वार्ड नं.19 पार्षद द्वारा जारी किया गया है) लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टा की मूल प्रतियाँ जो सोहन लाल पुत्र श्री जैसाराम के नाम क्रमांक 2133 दिनांक 06.10.2023 को जारी किया गया था प्रस्तुत कर भूखण्ड संख्या 06 पुरानी गौशाला साईज 21'.6"x 45 का फ्री होल्ड पट्टा चाहा गया है।

मुताबिक पत्रावली भूखण्ड संख्या 06 पुरानी गौशाला साईज 21'.6"x 45 श्री सोहनलाल पुत्र श्री जैसाराम के नाम से क्रमांक 2133 दिनांक 06.10.2023 को पट्टा जारी किय गया था(जो पंजीकृत नही हुआ है) मुताबिक मृत्यु प्रमाण पत्र श्री सोहनलल पुत्र श्री जैसाराम की मृत्यु दिनांक 21.10.2023 हो गई। मुताबिक हक त्याग सहमति पत्र (सदस्य प्रमाणपत्र जो वार्ड नं.19 पार्षद द्वारा जारी है) के अनुसार निम्न (1)श्री राजकुमार (2)श्री विनोद कुमार(3)श्री टेकचंद पिसरान श्री सोहनलाल (4)सरोज देवी (5)लाजवंती (6)मीराबाई पुत्रियान श्री सोहनलाल ने भूखण्ड संख्या 06 पुरानी गौशाला साईज 21'.6" x45 का अपना-अपना हक अपनी माता श्रीमति गुडडी देवी बेवा श्री सोहनलाल के हक में छोड दिया प्रार्थियों ने फ्री होल्ड पट्टा चाहा है। अत: भूखण्ड संख्या 06 पुरानी गौशाला साईज 21'.6"x 45 का फ्री होल्ड पट्टा जारी करने में किसी भी व्यक्ति को कोई एतराज हो तो इस सूचना प्रकाशन के 7दिवस में इस कार्यालय में प्रस्तुत कर देवें अन्यथा बाद मियाद गुजरने पट्टा बनाने की कार्यवाही अमल में लाई जावेगी।

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका श्रीविजयनगर

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी
नगर विकास न्यास, बीकानेर

क्रमांक-LU2012/BIK/2023-24/100408 दिनांक-28.02.2024

लोक सूचन

श्री AJAY JEDIYA पुत्र श्री VEER CHAND जाति JEDIYA निवासी KOHRIYO KA MOHALLA, BHUTTO KA CHORHA, BIKANER ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का आद्योगिक (सोलर पावर प्रोजेक्ट)प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है अर्थात:-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्गमीटर)	क्षेत्रफल (हैक्टेयर)
1.	कानासर बीकानेर (बीकानेर)	KALURAM S/O KUMBHARAM	578/2	64616	6.4616
				कुल	6.4616

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा -90 क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर-भीतर अपनी एस.एस.ओ आई.डी.से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सवते है। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है। और तदनुसार मामले का निपटारा किय जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 28.02.2024 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी
नगर विकास न्यास, बीकानेर

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी
नगर विकास न्यास, बीकानेर

क्रमांक-LU2012/BIK/2023-24/100407 दिनांक-28.02.2024

लोक सूचना

श्री DHEERAJ JANGID पुत्र श्री RAM NIWAS JANGID जाति JANGID निवासी FLAR NO.101, IMPERIAL PARADISE BUILDING, BIKANER ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का आद्योगिक (सोलर पावर प्रोजेक्ट)प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है अर्थात:-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्गमीटर)	क्षेत्रफल (हैक्टेयर)
1.	कानासर बीकानेर (बीकानेर)	KALURAM S/O KUMBHARAM	578/3	64489	6.4489
				कुल	6.4489

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा -90 क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर-भीतर अपनी एस.एस.ओ आई.डी.से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है। और तदनुसार मामले का निपटारा किय जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 28.02.2024 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी
नगर विकास न्यास, बीकानेर

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी
नगर विकास न्यास, बीकानेर

क्रमांक-LU2012/BIK/2023-24/100406 दिनांक-28.02.2024

लोक सूचन

श्री DHEERAJ JANGID पुत्र श्री RAM NIWAS JANGID जाति JANGID निवासी FLAR NO.101, IMPERIAL PARADISE BUILDING, BIKANER ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का आद्योगिक (सोलर पावर प्रोजेक्ट)प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है अर्थात:-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्गमीटर)	क्षेत्रफल (हैक्टेयर)
1.	कानासर बीकानेर (बीकानेर)	SUKHRAM S/O DEVARAM	578/1	64489	6.4489
				कुल	6.4489

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा -90 क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर-भीतर अपनी एस.एस.ओ आई.डी.से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है। और तदनुसार मामले का निपटारा किय जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 28.02.2024 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी
नगर विकास न्यास, बीकानेर

शिक्षक बच्चों को शिक्षित बनाने के साथ संस्कारवान भी बनाएं : मदन दिलावर

बीकानेर, (कासं)। शिक्षा और पंचायती राज विभाग मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि शिक्षक बच्चों को शिक्षित बनाने के साथ संस्कारवान बनाएं। मेडिकल कॉलेज सभागार में सोमवार को संभाग स्तरीय अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में शिक्षा और पंचायती राज विभाग मंत्री मदन दिलावर ने यह बात कही।

राजकीय कार्यालयों में साफ-सफाई, कार्मिकों की समय पर उपस्थिति के विषय में निर्देश देते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा प्रत्येक विभाग के अधिकारी अपने कार्यों को पूरी निष्ठा और लगन से संपादित करें। माह में एक बार विद्यालयों का स्टाफ मिलकर स्कूल परिसर की सफाई करें। उन्होंने कहा कि सकारात्मक वातावरण में ही विद्यार्थी अपना सर्वांगीण विकास कर सकेंगे। शिक्षा अधिकारियों को स्कूलों के नियमित निरीक्षण करने के निर्देश देते हुए शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि हमारी स्कूलों में मौजूद संसाधनों का कुशलतम उपयोग हो, यह सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि कस्तूरबा गांधी विद्यालयों में शिक्षक रोजाना अप-डाउन ना करें। यह स्वीकार नहीं किया जायेगा। अध्यापक स्वयं पढ़कर कक्षाओं में जाएं। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए दिलावर ने कहा कि जिले के 193 मॉडल गांवों में स्वच्छता कार्यों का भौतिक सत्यापन किया जाए। सफाई एक नियमित प्रक्रिया है। इसे बनाए रखने के लिए संबंधित अधिकारी नियमित निरीक्षण करें और रिपोर्ट दें।

मेडिकल कॉलेज सभागार में शिक्षा और पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर (दाएं) ने संभाग स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली।

- दिलावर ने कहा कि पंचायती राज विभाग के कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें अन्यथा तय होगी संबंधित की जिम्मेदारी
- पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने संभाग स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली

विधायक निधि कोष के प्रस्तावों को समय पर वित्तीय स्वीकृति मिले, यह भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्य समय सीमा में पूरे हो, इस संबंध में विशेष मॉनिटरिंग की जाए। पंचायती राज मंत्री ने कहा कि यदि कार्यों की गुणवत्ता में शिकायत पाई गई तो ग्राम सेवक से लेकर उच्च अधिकारी तक की जिम्मेदारी तय की जायेगी। किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार स्वीकार नहीं होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास के ढांचे को मजबूत बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा अतिरिक्त प्रयास किए जायेंगे। खाजूवाला विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल ने ग्राम पंचायत की जमीन पर अतिक्रमण के संबंध में संबंधित अधिकारी के जिम्मेदारी तय करने, विद्यालयों में शिक्षक विद्यार्थी अनुपात कम करने की बात कही। बीकानेर (पश्चिम) विधायक जेठानंद व्यास ने सरकारी विद्यालयों को साफ-सुथरा रखने पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा।

श्रीडूंगरगढ़ विधायक ताराचंद सारस्वत ने ग्रामीण क्षेत्र में घर-घर से कचरा संग्रहण और विद्यालयों के पुराने भवनों के जीर्णोद्धार पर बात रखी। नगर निगम मेयर सुशीला कंवर राजपुरोहित ने कहा कि उपलब्ध संसाधनों के आधार पर शहरी क्षेत्र में सफाई के बेहतर प्रयास किए जा रहे हैं। संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी ने प्राइमरी शिक्षा के आधारभूत ढांचे को मजबूत बनाने की दिशा में पायलट प्रोजेक्ट चलाने की बात कही। उन्होंने बताया कि संभाग के विभिन्न कार्यालयों में साफ- सफाई के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है।

जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने शिक्षा और पंचायती राज विभाग के कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एक्टिविटी बेस्ड लर्निंग किट्स स्कूलों तक पहुंचे और उपयोग में लिए जाएं। सीईओ जिला परिषद सोहनलाल ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से पंचायती राज विभाग के विभिन्न कार्यों और प्रगति की विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर अतिरिक्त निदेशक शिक्षा, ग्रामीण विकास और पंचायती राज विभाग के संभाग स्तरीय अधिकारियों सहित अन्य संभाग स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

डायबीटिक केयर सेंटर में मशीनें भेंट

बीकानेर,(कासं)। यहां सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज से संबद्ध डायबीटिक केयर एंड रिसर्च सेंटर में हनुमान हत्था निवासी सेवानिवृत पटवारी कैलाश नारायण पांडे ने अपने पुत्र आशीष पांडे की स्मृति में करीब 70 हजार रूपये लागत की 2 एम्बुलेंट्री ब्लड प्रेशर मॉनिटरिंग मशीन तथा एक ग्लूकोज मॉनिटरिंग मशीन मरीजों के उपयोग के लिए भेंट की।

डायबीटिक केयर एंड रिसर्च केन्द्र प्रभारी डॉ. सुरेन्द्र वर्मा ने बताया कि इन मशीनों का उपयोग अनियमित शुगर ओर बीपी वाले मरीजों की विस्तृत जांच करने के लिए किया जा सकेगा। ऐसे मरीज जिनके शुगर व बीपी नॉर्मल होते हुए भी लक्षण बने रहते हैं। उनकी कंप्यूटराइज्ड रीडिंग हो पायेगी। जिससे उनके इलाज में सुविधा रहेगी।

इन मशीनों से मरीज के हर मिनट ओर घंटे के हिसाब से शुगर बीपी का मूल्यांकन किया जा सकेगा। जिससे मरीज की एक्चुअल स्थिति का आसानी से पता लगाया जा सकता है।

मरीजों के प्रति दानदाता पांडे परिवार के समर्पित भाव को देखते हुए प्रचार्य एवं नियंत्रक डॉ. गुंजन सोनी, नारायण पांडे, मीना पांडे, नित्या पांडे सुप्रिया पांडे को शॉल ओढ़ाकर गुलाब का पुष्प भेंट कर सम्मानित किया। प्राचार्य डॉ. सोनी ने इस अवसर पर कहा कि अपनों की याद में जरूरत मरीजों को की गई सहायता से उनकी स्मृति अमर हो जाती है। दानदाता परिवार से अन्य सक्षम परिवारों को भी प्रेरणा मिलेगी।

सार-समाचार

देवनानी ने करणी मां के दर्शन किए

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने करणी माता मंदिर में दर्शन कर खुशहाली की कामना की।

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को देशनोक स्थित करणी माता मंदिर में दर्शन किए और देश प्रदेश में खुशहाली की कामना की। इस दौरान श्री करणी मन्दिर निजी प्रन्यास के अध्यक्ष बादल सिंह, उपाध्यक्ष श्री सीता दान, पार्षद नथमल सुराणा, विक्रमदान, मंडलीय चारण महासभा के अध्यक्ष भंवरदान, और पूर्व प्रन्यास अध्यक्ष कैलाश दान ने विधानसभा अध्यक्ष देवनानी को करणी माता की तस्वीर भेंट की। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का सर्किट हाउस में जनप्रतिनिधियों एवं सिंधी समाज के कार्यकर्ताओं ने माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। इस दौरान विजय आचार्य, अखिलेश प्रताप सिंह, श्याम सुंदर, मोहन सुराणा, डॉ. सत्य प्रकाश आचार्य, नरेश नायक, आनंद सिंह भाटी, हनुमान सिंह चावड़ा, सांगीलाल गहलोत, कमल आचार्य, भारती अरोड़ा, कपिल शर्मा, वेद व्यास, अजय खत्री, अंकित तंवर, दिलीप पुरी, अनिल तुलसियानी, कमल विधानी, अशोक हिंदुस्तानी, मनोज टिकयानी, रामकुमार व्यास, नेमीचंद तंवर एवं राजकुमार मूलचंदानी ने देवनानी का अभिनंदन किया।

समाधान कक्ष का उद्घाटन

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर (दाएं) ने शिक्षा निदेशालय में नवगठित समाधान कक्ष का उद्घाटन किया।

बीकानेर, (कासं)। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने सोमवार को शिक्षा निदेशालय में नवगठित समाधान कक्ष का उद्घाटन किया। उन्होंने समाधान कक्ष की कार्यप्रणाली के बारे में जाना। शिक्षा मंत्री ने कहा कि निदेशालय में अन्य जिलों से आने वाले कार्मिकों के लिए समाधान कक्ष उपयोगी साबित होगा। अन्य जिलों के कार्मिक अपनी परिवेदना यहां दे सकेंगे, जिन पर समयबद्ध कार्यवाही हो सकेगी। समाधान कक्ष में परिवादी के प्रार्थना पत्र को ऑनलाइन करते हुए ई-डाक के माध्यम से संबंधित अधिकारी की एसएसओ आईडी में भिजवाया जायेगा, जिससे संबंधित कार्मिक की जवाबदेही तय होगी। इसके लिए परिवादी को ऑनलाइन टॉकन नंबर भी दिया जायेगा। शिक्षा मंत्री ने कहा कि अन्य जिलों के कार्मिकों को उनकी परिवेदना पर त्वरित कार्यवाही हो। इस दौरान शिक्षा मंत्री ने निदेशालय परिसर में पौधारोपण किया। हैरिटेज हॉल और मुख्य प्रशासनिक भवन का निरीक्षण किया। इसके बाद अधिकारियों से विभिन्न बिन्दुओं पर आधारित फीडबैक लिया।

मुख्यमंत्री भजनलाल बीकानेर पहुंचे

बीकानेर, (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार की शाम बीकानेर पहुंचे। केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा, विधायक सिद्धि कुमारी, डॉ विश्वनाथ मेघवाल, ताराचंद सारस्वत, जेठानंद व्यास सहित आईजी ओमप्रकाश, संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी, जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि, पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम ने की अगवानी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा यहां शगुन पैलेस में आयोजित विवाह समारोह में शिरकत करेंगे। मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए यहां पुलिस की तैनाती की गई है। मुख्यमंत्री विवाह समारोह में शामिल होने से पहले भाजपा कार्यकर्ताओं से भी मिल सकते हैं।

'सर्वर डाउन' नहीं बने लाइसेंस

बीकानेर, (कासं)। परिवहन विभाग का ड्राइविंग लाइसेंस संबंधी सारथी पोर्टल आज सुबह से ही बंद रहा जो देर शाम तक नहीं चला। जिससे लर्नर लाइसेंस, स्थाई ड्राइविंग लाइसेंस, रिन्युअल, डुप्लीकेट, एडिशन जैसे महत्वपूर्ण काम बिल्कुल ठप रहे। विभाग की सारथी साइट को खोलते ही 'अंडर प्रोसेस' लिखा हुआ बताकर सर्वर डाउन रहा। लोग आवेदन करने और स्लॉट बुक करने के लिए साइट ओपन होने का इंतजार करते रहे। लेकिन सारथी पोर्टल की साइट देर शाम तक ठप रही। कई लाइसेंस आवेदकों के लर्नर लाइसेंस की अंतिम तिथि होने से उन्हें खासा परेशानी उठानी पड़ी। उनके पास नया लर्नर बनाकर फिर से अप्लाई करने के सिवाय और कोई विकल्प नहीं है। शारीरिक, मानसिक और आर्थिक परेशानी हुई वह अलग। बीकानेर सिटीजन एसोसिएशन के एडवोकेट हनुमान प्रसाद शर्मा ने बताया कि एक तरफ नई सरकार प्रत्येक सरकारी दस्तावेज को 'ई फाइल्स' के रूप में आमजन तक पहुंचाने का दावा कर रही है तो दूसरी तरफ परिवहन विभाग में कभी इंटरनेट नहीं चलने, सारथी पोर्टल का आये दिन सर्वर डाउन होने जैसी समस्याएं बनी ही रहती है। जिसका स्थाई समाधान नहीं होने का खामियाजा जनता को भुगतना पड़ता है।

बीकानेर जिला अस्पताल में आई.वी.एफ. सेंटर पर लगा ताला

बीकानेर,(कासं)। जिला अस्पताल में चार वर्ष पहले आईवीएफ सेंटर खोलने की स्वीकृति दी गई थी। इसके बाद शहर के एक निजी प्रसूति गृह ने सात वर्ष पहले एमओयू कर यह सेंटर खोल दिया लेकिन आज स्थिति यह है कि इस सेंटर पर ताला लटक रहा है।

निसंतान दंपत्तियों को कम खर्चे पर संतान सुख दिलाने के लिए निजी जनसहभागिता से राज्य के जिला अस्पतालों में शुरू की गई इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) की सुविधा राज्य सरकार की अनेदखी के कारण ठप हो गई है। निजी सेंटरों पर आईवीएफ का अत्यधिक खर्चा होने के कारण यह योजना ऐसे दम्पत्तियों के लिए बड़ी उम्मीद की तरह थी। राज्य सरकार का इसके लिए निजी सहभागी से एमओयू भी साइन हुआ।

वर्ष 2017 में ही चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत निदेशक जनस्वास्थ्य ने सीएम की बजट घोषणा की पालना में सभी जिला अस्पतालों में इनकी स्थापना के लिए नियम भी बना दिए। लेकिन उसके बाद यह योजना उम्मीद के मुताबिक गति नहीं पकड़ सकी।

- राज्य के जिला अस्पतालों में शुरू की गई आई.वी.एफ. की सुविधा राज्य सरकार की अनेदखी के कारण ठप हो गई

बीकानेर जिला अस्पताल में चार वर्ष पहले आईवीएफ सेंटर खोलने की स्वीकृति दी गई थी। इसके बाद शहर के एक निजी प्रसूति गृह ने सात वर्ष पहले एमओयू कर यह सेंटर खोल दिया, लेकिन आज स्थिति यह है कि इस सेंटर पर ताला लटक रहा है। ऐसे में निसंतान दम्पत्तियों को बड़ी राशि देकर निजी केन्द्रों पर जाना पड़ रहा है। कोविड काल से पहले यह सेंटर खुला हुआ था और सात दम्पत्तियों को यहां आईवीएफ की सुविधा भी मिली, लेकिन कोविड में संबंधित फर्म ने इसे पूर्ण रूप से बंद कर दिया। आईवीएफ सेंटर खोलने के लिए सरकार ने पीपीपी मोड पर जगह उपलब्ध कराई थी। जबकि चिकित्सक सहित अन्य स्टाफ और जांच में काम आने वाले उपकरण फर्म ने स्थापित किए थे। इस सेंटर में करीब 60 हजार के खर्च में आईवीएफ की सुविधा उपलब्ध थी। जबकि निजी क्षेत्रों में डेढ़ से ढाई लाख रूपए तक खर्च होते हैं।

डॉ. विक्रम सिंह तंवर, संचालक आईवीएफ सेंटर, जिला अस्पताल, बीकानेर का कहना है कि यहां एक चिकित्सक सहित सात जनों का स्टाफ कार्यरत था। जिसे 2020 में बंद कर दिया गया। अब अप्रेल से वापस शुरू करने का प्रयास किया जायेगा। सरकार की तरफ से कोई सहयोग भी नहीं मिला।

रम्मतों की रिहर्सल का दौर

बीकानेर, (कासं)। होली की रंगत अब छाने लगी है। बसंत पंचमी के साथ ही शुरू हुआ रम्मतों के पूर्वाभ्यास का दौर अब परवान चढ़ने लगा है। रम्मतों में अलग-अलग भूमिका अदा करने वाले कलाकार तरह-तरह के संवाद करते व स्वांग रचते दिखाई दे रहे हैं। इन रम्मतों की रिहर्सल को लेकर बच्चे, युवा व बुजुर्ग सभी उत्साहित नजर आ रहे हैं।

परकोटे के विभिन्न मोहल्लों में होने वाली रम्मतों के पूर्वाभ्यास में कलाकारों के साथ मोहल्लावासी तथा रम्मतों के रसिए देर रात तक संवादों की टेर भरकर कलाकारों के सुर से सुर मिला रहे हैं। चौथानी ओझाओं के चौक में स्थित हनुमान मंदिर में जमना दास स्वांगमेरी व ख्याल चौमासा की रम्मत का पूर्वाभ्यास वरिष्ठ कलाकार एडवोकेट मदन गोपाल व्यास, श्यामसुंदर ओझा के नेतृत्व में चल रहा है। दिनेश ओझा ने बताया कि पूर्वाभ्यास रात्रि 8:00 बजे से 11:30 बजे तक चलता है। इसमें भानू, भोलेनाथ, जगदीश, मनोज ओझा, मुकेश, प्रेम नारायण, बसंत, भैंरू ओझा भागीदारी निभा रहे हैं।

'पीबीएम में कार्डियक सर्जन की सेवाएं शीघ्र मिलेगी'

बीकानेर, (कासं)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह ने पीबीएम अस्पताल के ट्रोमा सेंटर और हल्दीराम मूलचंद कार्डियो वस्कुलर सेंटर का औचक निरीक्षण किया।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने इस दौरान अस्पताल की चिकित्सा सुविधाओं, साफ-सफाई सहित स्टाफ की उपलब्धता व अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि मरीजों एवं उनके परिजनों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो, यह सुनिश्चित किया जाए। चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह ने कहा कि मरीजों के भार को देखते हुए कार्डियो वस्कुलर सेंटर में चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार किया जायेगा। मरीजों को बेहतरीन चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाना, राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

यहां की आवश्यकता के अनुरूप आधुनिक चिकित्सकीय उपकरण उपलब्ध करवाए जायेंगे। उन्होंने कहा कि अस्पताल को कार्डियक सर्जन की सेवाएं शीघ्र ही उपलब्ध करवाई जायेगी। चिकित्सा मंत्री ने कहा कि मरीजों को बेहतर इलाज के साथ समुचित साफ-सफाई मिले, इसे सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों को नियमित निरीक्षण के निर्देश दिए गए हैं।

- चिकित्सा मंत्री ने पीबीएम अस्पताल का निरीक्षण किया

चिकित्सा मंत्री ने इस दौरान ट्रोमा सेंटर और कार्डियो वस्कुलर में भर्ती मरीजों से बातचीत कर अस्पताल की व्यवस्थाओं के संबंध में फीडबैक लिया। मंत्री ने कहा कि पुराने हो चुके उपकरण तुरंत प्रभाव से बदले जाएं तथा खराब पड़े उपकरणों को भी दुरूस्त करवाकर उपयोग में लाएं। चिकित्सा मंत्री ने अस्पताल की विभिन्न व्यवस्थाओं के संबंध में संतोष प्रकट किया और कहा कि वरिष्ठ चिकत्सक भी नियमित रूप से मरीजों को देखें।

बारिश-ओलावृष्टि से फसलों में नुकसान

हनुमानगढ़,(कासं)। जिले में बेमौसम वर्षा व ओलावृष्टि से रबी फसलों को नुकसान हुआ है। इससे किसान मायूस हो रहे हैं। किसानों का कहना है कि अब सरकार खराबे का सही आंकलन करे तो कुछ राहत मिले।

बीमा कंपनी के अधिकारियों ने किसानों से आग्रह किया है कि वह खराबे की सूचना कंपनी के टोल फ्री नंबर पर 72 घंटे के भीतर दें ताकि उनके क्लेम सेटलमेंट में किसी तरह की दिक्कत नहीं आए। इस बीच कलेक्टर सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने रविवार को खेतों में जाकर बरसात व ओलावृष्टि से हुए नुकसान को देखा। इस दौरान कुछ जगहों पर खराबा मिलने पर इसकी रिपोर्ट तैयार करने की बात कही।

- किसानों ने कहा कि फसल खराबे का सही आंकलन हो तो राहत मिले

कलेक्टर कानाराम ने नोहर तहसील क्षेत्र के गांव मंदरपुरा, गोरखाना, जबरासर, जोखासर, गांव रानीसर, बाच्छूसर, मेघाना, भादरा के डूंगराना, रासलाना, गांव सागड़ा, अमरपुरा, जोगीवाला में रबी फसलों का अवलोकन किया। इस मौके पर कलेक्टर ने कृषि अधिकारियों, बीमा कंपनी के प्रतिनिधियों को राजस्व विभाग के कर्मचारियों के साथ मिलकर समय पर और शुद्धता के साथ फसल कटाई प्रयोग करने के निर्देश दिए।

52 लीटर हथकढ़ शराब जब्त

श्रीकरणपुर, (कासं)। आबकारी विभाग की ओर से गांव 29 एच एरिया में दबिश दी गई। इस दौरान वहां पर 52 लीटर हथकढ़ शराब जब्त करने के साथ 800 लीटर लाहन भी नष्ट किया गया।

कार्रवाई की भनक लगने पर आरोपी मौके से भाग गया। अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। प्रहराधिकारी विनोद कुमार सहू ने बताया कि गांव 29 एच एरिया में शराब माफिया सक्रिय होने की सूचना आ रही थी। इस दौरान गांव के निकट एच माइनर नहर के किनारे मिला 800 लीटर लाहन नष्ट किया गया। वहीं एक जगह चालू भट्टी के साथ 52 लीटर हथकढ़ शराब भी बरामद की गई। कार्रवाई में सिपाही राजपाल लखेसर, बजरंग लाल, दीपक कुमार व पवन यादव आदि जाब्ता साथ रहा।

करणी सेना की न्याय यात्रा को पुलिस ने रोका

भादरा, (कासं)। गोगामेड़ी से श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की पत्नी और श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना की कार्यवाहक अध्यक्ष शीला शेखावत ने न्याय यात्रा शुरू की। गांव गोगामेडी॰ से सुबह 12 बजे शुरू हुई न्याय यात्रा को गोगामेड़ी पुलिस ने थाने के आगे रोक दिया। गुस्साए समाज के लोगों ने थाने के सामने मुख्य सड़क पर धरना शुरू कर दिया।

पुलिस ने समझाइश का प्रयास किया लेकिन न्याय यात्रा आगे रवाना हो गई। सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की पत्नी शीला कंवर ने आरोप लगाया कि सरकार अपने वादे से मुकर गई है। उन्होंने जयपुर में सीएम हाउस के सामने जौहर करने की चेतावनी दी है।

- गोगामेड़ी की पत्नी शीला कंवर ने भाजपा सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुए मांगें पूरी नहीं करने का आरोप लगाया

दिवंगत सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के मामले में पूर्व घोषित न्याय यात्रा गांव 5 जीजीएम से सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की समाधि स्थल से सुबह 11 बजे शुरू हुई। दिवंगत सुखदेव सिंह गोगामेड़ी को न्याय दिलाने के लिए जयपुर तक पैदल न्याय यात्रा शुरू की गई है। न्याय यात्रा के करीबन 13 दिनों में जयपुर पहुंचने की सूचना है। शीला शेखावत ने राज्य की भाजपा सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि तब भाजपा के कद्दावर नेता राजेन्द्र राठौड़ सहित भाजपा के अनेक नेताओं की मध्यस्थता में राज्य सरकार ने उनकी सभी 11 सूत्री मांगों पर लिखित में सहमति दी थी। परन्तु अब उनके परिवार को सुरक्षा और एनआईए से जांच करवाने के अलावा कोई मांग पूरी नहीं की है। शीला ने कहा कि वह उस समय मध्यस्थता कर रहे नेताओं से भी मिली हैं, परन्तु अन्य मांगों को लेकर उन्होंने कोई भरोसा नहीं दिलाया।

मोटे अनाज और उनसे बने उत्पादों को खानपान में लाने की जरूरत : देवनानी

बीकानेर,(कासं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि मोटे अनाज और उनसे बने उत्पादों को एक बार फिर खानपान की मुख्यधारा में लाने की जरूरत है। श्री अन्न स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभदायक होते हैं।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने सोमवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित शीतकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए यह बात कही। विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास निदेशालय में चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि मोटा खाओ, मोटा पहनो' की कहावत को फिर से साकार करने की जरूरत है।

उन्होंने चिंता जताते हुए कि उत्पादन बढ़ाने की होड़ में आज गेहूं आदि के उत्पादन में अत्यधिक रासायनिक उर्वरक और खाद का अंधाधुंध उपयोग किया जा रहा है। इससे कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। इसके मद्देनजर हमें श्री अन्न की ओर अग्रसर होने की जरूरत है। देवनानी ने कृषि वैज्ञानिकों का आव्हान करते हुए कहा कि वे प्रयोगशालाओं तक सीमित ना रहें। इनके अनुसंधान गांव के अंतिम छोर पर बैठे किसान और मजदूर की आवश्यकताओं को पूरा करेंगे, तभी इनकी सार्थकता होगी। खाजूवाला विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल ने कहा कि श्री अन्न के सेवन से ब्लड प्रेशर और शुगर दोनों नियंत्रित रहते हैं। राज्य सरकार मोटे अनाज का उत्पादन बढ़ाने के लिए कटिबद्ध है। इससे किसानों को भी आर्थिक संबल मिलेगा। डॉ. विमला डुकवाल ने बताया कि 'बाजरा आधारित पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना' विषय पर चल शीतकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम में 11 राज्यों के 25 वैज्ञानिक हिस्सा ले रहे हैं।

कृषि विश्वविद्यालय में शीतकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम को विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सम्बोधित किया।

- देवनानी ने कृषि वैज्ञानिकों से कहा कि वे प्रयोगशालाओं तक सीमित ना रहें

'विश्व को योग व प्राकृतिक चिकित्सा भारत की देन'

बीकानेर,(कासं)।प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग केन्द्र में सोमवार को भामाशाह सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें शिक्षा मंत्री मदन दिलावर और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने शिरकत की।

इस अवसर पर शिक्षा और पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि योग और प्राकृतिक चिकित्सा, विश्व को भारत की देन रही है। प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति के विकास में भामाशाहों का योगदान सराहनीय है। दिलावर ने कहा कि आज पूरी दुनियां योग के महत्व को स्वीकार कर रही है। योग के माध्यम से असाध्य रोगों को ठीक किया गया है।

वर्तमान जीवन शैली में हमें नेचुरोपैथी की तरफ एक बार फिर देखने की आवश्यकता है। भामाशाहों के योगदान की सराहना करते हुए खाद्य मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि विज्ञान और एलोपैथी चिकित्सा के नए-नए अनुसंधानों के बावजूद नेचुरोपैथी और योग के महत्व को कम नहीं आंका जा सकता। इस अवसर पर योग केन्द्र के विकास करने में सहयोग करने के लिए भामाशाह द्वारका प्रसाद पच्चीसिया, सीताराम भांभू, भरत ठोलिया, पवन अग्रवाल, भुवनेश पुरोहित का सम्मान किया गया।

बीकानेर (पश्चिम) विधायक जेठानंद व्यास ने कहा कि हमारी संस्कृति में सदैव योग का महत्वपूर्ण स्थान रहा है।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर (बांये) ने प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग केन्द्र बीकानेर में भामाशाहों को सम्मानित किया।

अगर खिलाड़ी दो और सीजन इस तरह के शेड्यूल में खेलते रहेंगे तो जल्द ही देश भर में कई खिलाड़ी चोटिल रहेंगे। अगले साल भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को ज्यादा गैप रखने पर विचार करना चाहिए। - शार्दुल ठाकुर

भारतीय टीम के ऑलराउंडर, रणजी ट्रॉफी के मैचों के बीच ज्यादा दिन का गैप रखने की मांग करते हुए।

आज का खिलाड़ी ▶

पैट कमिंस

सनराइजर्स हैदराबाद ने ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस को में अपनी टीम का नया कप्तान बनाया है। टीम ने सोशल मीडिया पर इस बात की जानकारी दी। कमिंस साउथ अफ्रीका के ऐडन मार्करम की जगह लेंगे। मार्करम की कप्तानी में पिछले सीजन टीम 10वें नंबर पर रही थी। सनराइजर्स ने इससे पहले अपने कोचिंग स्टाफ में भी बदलाव किया था। साउथ अफ्रीका के डेल स्टेन की जगह अब न्यूजीलैंड के जेम्स फ्रैंकलिन बॉलिंग कोच की भूमिका निभाएंगे। पैट कमिंस की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने 2023 में 2 खिताब जीते। टीम ने नवंबर में भारत को हराकर वनडे वर्ल्ड कप जीता।

क्या आप जानते हैं ?... गोल्फ एकमात्र ऐसा खेल है जिसे चांद पर भी खेला गया है। 6 फरवरी, 1971 को एलन शेफर्ड नामक अंतरिक्ष यात्री ने चन्द्रमा पर गोल्फ के दो स्ट्रोक खेले।

मुंबई 48वीं बार रणजी ट्रॉफी के फाइनल में

दो बार की चैम्पियन तमिलनाडु को पारी और 70 रन से हराया, शार्दुल प्लेयर ऑफ द मैच

नई दिल्ली, 4 मार्च। रणजी ट्रॉफी के इस सीजन के दूसरे सेमीफाइनल मैच में सोमवार को मुंबई ने तमिलनाडु को पारी और 70 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम मुंबई 48वीं बार फाइनल में पहुंची गई। इससे पहले मुंबई 41 बार चैंपियन और छह बार रनर-अप रही। टीम ने आखिरी खिताब 2016 में जीता था।

टीम इंडिया के ऑलराउंडर शार्दूल ठाकुर ने मैच में शतक लगाया। उनकी यह फर्स्ट क्लास क्रिकेट में पहली सेंचुरी रही। इसके साथ ही उन्होंने पहली पारी में दो और दूसरी पारी में भी इतने ही विकेट लिए। उन्हें इस शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

मुंबई और तमिलनाडु के बीच दूसरा सेमीफाइनल मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में खेला गया। शनिवार को मुंबई के खिलाफ तमिलनाडु की टीम ने टॉस जीता और बल्लेबाजी चुनी। मुंबई की शानदार गेंदबाजी के सामने तमिलनाडु पहली पारी में 146 रन पर ही ढेर हो गई। उनके जवाब में मुंबई ने पहली पारी में 378 रन बनाए। वहीं तमिलनाडु की टीम दूसरी पारी में 162 रन पर ऑलआउट हो गई। इस तरह मुंबई को पारी और 70 रन से जीत मिली।

मुंबई के सामने तमिलनाडु की पहली पारी फेल : मुंबई की शानदार गेंदबाजी के सामने तमिलनाडु पहली पारी में 146 रन ही बना पाई। तमिलनाडु की तरफ से टॉप स्कोरर विजय शंकर रहे। उन्होंने 44 रन बनाया। वहीं वाशिंगटन सुंदर ने 43 रन की पारी खेली। मुंबई की तरफ से पहली पारी में तुषार देशपांडे ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। शार्दुल ठाकुर, मुशीर खान और तनुष कोटियान को 2-2 विकेट मिले। मोहित अवस्थी को एक विकेट मिला।

मुंबई ने पहली पारी में 378 रन बनाया। टीम के लिए शार्दूल ठाकुर ने सेंचुरी लगाई। 9वें नंबर पर बैटिंग करने उतरे शार्दूल ने 105 बॉल पर 109 रन बनाए। उनके अलावा सरफाराज खान के छोटे भाई मुशीर खान 55 रन बनाकर आउट हुए। तमिलनाडु के लिए कप्तान साई किशोर ने 6 विकेट लिए। कुलदीप सेन ने 2 विकेट झटके। जबकि संदीप वॉरियर और वाशिंगटन सुंदर को 1-1 विकेट मिला।

भारत-पाक टी-20 वर्ल्ड कप मैच का टिकट 1.86 करोड़ का

9 जून को न्यूयॉर्क में मुकाबला, भारत-कनाडा मैच के टिकट की कीमत भी दोगुनी

टी-20 वर्ल्ड कप 2022 में 23 अक्टूबर को मेलबर्न में भारत और पाकिस्तान टीम की भिड़ंत हुई थी

नई दिल्ली, 4 मार्च। अमेरिका और वेस्टइंडीज में इस साल जून में टी-20 वर्ल्ड कप होना है। टूर्नामेंट में 9 जून को भारत और पाकिस्तान के बीच न्यूयॉर्क में लीग मैच होना है। यह मैच पहले ही सोल्ड आउट हो चुका है। यानी इसके सारे टिकट बिक चुके हैं। अब कुछ री-सेल वेबसाइटों पर मुकाबले के टिकट 1.86 करोड़ रुपए तक में बिक रहे हैं।

अमेरिका की न्यूज वेबसाइट टुडे के मुताबिक स्टबहब और सीटगीक जैसी वेबसाइटों पर भारत-पाक मैच की री-सेल टिकटें लाइव हो गई हैं। स्टबहब पर सबसे सस्ते टिकट की कीमत इस समय 1,259 अमेरिकी डॉलर यानी 1.04 लाख रुपए है। वहीं सीटगीक पर सबसे महंगे टिकट का दाम 1 लाख 75 हजार डॉलर है। इसमें 50,000 डॉलर की फीस एड करके टिकट कुल 2 लाख 25 हजार डॉलर का है। भारतीय करेंसी में यह रकम 1.86 करोड़ रुपए होती है। री-सेल टिकट उन टिकटों को कहा जाता है जिसे ऑफिशियल मीडियम से किसी ने खरीद रखा है और फिर इसे अन्य प्लेटफॉर्म पर बेच रहा हो। अमेरिका में इस तरह टिकट बेचना कानूनी रूप से मान्य है। भारत बनाम पाकिस्तान मैच न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा।

भारत और पाकिस्तान के सभी लीग मैच अमेरिका में होंगे टी-20 वर्ल्ड कप में 5-5 टीमों को 4 ग्रुप में बांटा गया। भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा गया है। इसी ग्रुप में आयरलैंड, कनाडा और अमेरिका भी हैं। भारत और पाकिस्तान अपने सभी मैच अमेरिका में ही खेलेंगे। भारत के दो मुकाबलों के टिकट सोल्ड आउट हो चुके हैं। इनमें भारत-पाकिस्तान मैच के अलावा भारत-कनाडा मुकाबला भी शामिल है। भारत के शुरुआती 3 मैच न्यूयॉर्क में खेले जाएंगे। चौथा मैच फ्लोरिडा में होगा।

सेबेस्टियन ने एलेजांद्रो को हराकर जीता चिली ओपन का खिताब

सैंटियागो, 4 मार्च। अर्जेंटीना के सेबेस्टियन बेज ने चिली के एलेजांद्रो टेबिलो को 3-6, 6-0, 6-4 से हराकर चिली ओपन, एटीपी 250 स्पर्धा और अपने करियर का छठा और लगातार दूसरा खिताब जीता। रविवार को चीली ओपन फाइनल मुकाबले में एलेजांद्रो टेबिलो ने तेज शुरुआत करते हुए पहला सेट 3-6 से अपने नाम किया। हालांकि इसके बाद सेबेस्टियन बेज ने शानदार वापसी करते हुए 6-0, 6-4 से लगातार दो सेट जीतकर खिताब अपने नाम किया। सेबेस्टियन बेज ने इससे पहले रियो डी जनेरियो में एटीपी 500 जीत दर्ज की थी। बेज ने मैच के बाद कहा, मेरे मन में कई भावनाएं हैं। मैच की शुरुआत में मुझे अच्छा नहीं लग रहा था। मुकाबला बेहद शानदार रहा और तीनों सेट एक दूसरे से काफी अलग थे। मैच उतार-चढ़ाव रहा। इसलिए, मैं बस अपनी टीम के साथ इसका आनंद लूंगा क्योंकि हमने यहां आने के लिए और उच्च रैंकिंग हासिल करने के लिए कई वर्षों से संघर्ष किया है।

राधा यादव और जेमिमा रोड्रिगेज के बीच हुई बातचीत

नई दिल्ली, 4 मार्च। राधा और जेमिमा दोनों ही दिल्ली कैपिटल्स टीम का हिस्सा हैं। वहीं जेमिमा के लिए ये मैच कुछ खास नहीं रहा और वह 10 गेंदों में सात ही रन बना पाई और आउट हो गई। मैच के बाद जेमिमा ने बताया कि राधा हर

मैच से पहले विराट कोहली के एग्रेशन वाले वीडियो देखकर खेलने उतरती हैं । दिल्ली कैपिटल्स ने महिला प्रीमियर लीग 2024 में 3 मार्च को गुजरात जायंट्स के खिलाफ 25 रनों से जीत दर्ज कर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को और पुख्ता कर दिया है। वहीं दिल्ली कैपिटल्स की जीत के बाद महिला प्रीमियर लीग के आधिकारिक अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया गया है। इस वीडियो में जेमिमा रोड्रिगेज और राधा यादव के बीच बातचीत हुई है। राधा और जेमिमा दोनों ही दिल्ली कैपिटल्स टीम का हिस्सा हैं। राधा यादव ने गुजरात जायंट्स के खिलाफ चार ओवर में महज 20 रन खर्चकर तीन विकेट चटकाए। वहीं जेमिमा के लिए ये मैच कुछ खास नहीं रहा और वह 10 गेंदों में सात ही रन बना पाई और आउट हो गई। मैच के बाद जेमिमा ने बताया कि राधा हर मैच से पहले विराट कोहली के एग्रेशन वाले वीडियो देखकर खेलने उतरती हैं।

टी-20 मुकाबले में श्रीलंका ने दिया बांग्लादेश को 207 रनों का लक्ष्य

सिलेट, 4 मार्च। सदीरा समराविक्रमा की नाबाद 61 रन, कुसल मेंडिस 59 रनों की अर्धशतकीय पारी और चरिथ असलंका की 44 रनों की तूफानी पारी की मदद से श्रीलंका ने सोमवार को पहले टी-20 मुकाबले में बंगलादेश को जीत के लिए 207 रनों का लक्ष्य दिया है। आज यहां सिलेट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में बंगलादेश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने पहले ही ओवर में सलामी बल्लेबाज अविष्का फर्नांडो चार रन का विकेट गंवा दिया। इसके बाद पांचवें ओवर में कामिंडु मेंडिस भी 19 बनाकर पवेलियन लौट गये। कुसल मेंडिस और सदीरा समराविक्रमा ने पारी को संभाला। दोनों के बीच तीसरे विकेट लिए 96 रनों की साझेदारी हुई। कुसल मेंडिस ने 36 गेंदों में छह चौके और तीन छक्कों की मदद से 59 रन बनाये।

5 वां टेस्ट खेलेंगे जसप्रीत बुमराह

नई दिल्ली, 4 मार्च। इंग्लैंड के खिलाफ 5वें टेस्ट में टीम इंडिया प्लेइंग-11 में 2 बदलाव के साथ उतर सकती है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह स्क्वॉड का हिस्सा हैं, इसलिए उनका खेलना भी कन्फर्म ही है। दूसरी ओर आउट ऑफ फॉर्म रजत पाटीदार की जगह देवदत्त पड्डीकल डेब्यू कर सकते हैं।

धर्मशाला के स्टेडियम में मुकाबला 7 मार्च से शुरू होगा। यहां स्पिन के मुकाबले पेस को ज्यादा मदद मिलती है, इसलिए टीम इंडिया 3 पेसर्स के साथ खेलने उतर सकती है। आगे जानते हैं 5वें टेस्ट के लिए भारत की पॉसिबल प्लेइंग-11 क्या होगी।

धर्मशाला के स्टेडियम में तेज गेंदबाजों को ज्यादा मदद मिलती है। यहां अब तक हुए 20 इंटरनेशनल मैचों में 61.69 विकेट तेज गेंदबाजों को मिले। स्पिनर्स को 248 में से 95 विकेट ही मिले, यानी दोनों ही टीमें एक्स्ट्रा पेसर को मैदान में उतारने के बारे में सोच सकती हैं।

टीम इंडिया के पास पेस बॉलिंग ऑप्शन में जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप और मुकेश कुमार हैं। आकाश और सिराज ने पिछला टेस्ट खेला था, वहीं बुमराह सीरीज के टॉप विकेट टेकर हैं। आकाश दीप ने अच्छा किया, इसलिए उन्हें बुमराह और सिराज के साथ मौका मिल सकता है। तेज गेंदबाजों के लिए मददगार पिच को देखते हुए टीम इंडिया 3 पेसर्स को प्लेइंग-11 में मौका दे सकती है, लेकिन इसके लिए पिछले मैच की प्लेइंग-11 में शामिल 3 में से किसी एक स्पिनर को बाहर बैठना पड़ सकता है।

रवींद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन और कुलदीप यादव ने पिछला मैच खेला था। अश्विन और जडेजा अपनी बॉलिंग से ही किसी भी वर्ल्ड क्लास टीम की प्लेइंग-11 में शामिल हो सकते हैं। इनकी बैटिंग भी बहुत शानदार है। दूसरी ओर कुलदीप ने पूरी सीरीज में इंग्लिश बैटर्स को परेशान किया। उनकी बैटिंग भी अच्छी रही, लेकिन अश्विन और जडेजा का अनुभव ज्यादा है इसलिए कुलदीप को ही बुमराह के लिए जगह खाली करनी पड़ सकती है। बुमराह ने सीरीज के 3 मैचों में 17 विकेट लिए हैं। इसके बावजूद अगर कुलदीप को प्लेइंग-11 में मौका मिला तो फिर आकाश दीप को बाहर बैठाया जाएगा। ऐसे में अगर पहले गेंदबाजी आई तो टीम इंडिया के लिए 3 स्पिनर्स को प्लेइंग-11 में रखना रिस्की ऑप्शन हो जाएगा।

नेपाल के कुशल ने बाउंड्री पर कूदकर गेंद रोकी और नीदरलैंड के बैटर को रन आउट किया

नई दिल्ली, 4 मार्च। नेपाल और नीदरलैंड्स के मुकाबले में नेपाल टीम के फील्डर कुशल भुर्तेल ने बाउंड्री पर ऊपर कूद कर छक्का बचाने के साथ ही बैटर को रन आउट भी कर दिया। दरअसल नेपाल में त्रिकोणीय सीरीज खेली जा रही है। इसमें नेपाल के अलावा नीदरलैंड्स और नामीबिया ट्राई सीरीज में खेलने वाली अन्य दो टीमें हैं। पारी की आखिरी ओवर में भुर्तेल ने सिक्स को रन आउट तब्दील कर दिया

सीरीज के पांचवा मुकाबला नेपाल और नीदरलैंड्स के बीच खेला जा रहा था। नीदरलैंड्स की पारी का आखिरी ओवर नेपाल की ओर दीपेंद्र सिंह ऐरी कर रहे थे। ऐरी ने ओवर की तीसरी गेंद फुल टॉस बॉल फेंकी, अनुभवी खिलाड़ी रोलेफ वैन डेर मर्वे ने लॉन्ग-ऑन की ओर एक शॉट मारा।

शुरुआत में, यह शॉट छक्के के लिए सीधा बाउंड्री पार करता नजर आ रहा था, लेकिन भुर्तेल ने गेंद को बाउंड्री पार करने से पहले ही ऊपर कूदकर इसे रोक दिया। भुर्तेल इस दौरान बाउंड्री के बाहर गिर गए, उसके बाद उन्होंने तेजी से उठकर गेंद को विकेटकीपर आसिफ शेख की ओर थ्रो किया। तभी किंग्मा डबल की तलाश में क्रीज से बहुत दूर निकल गए थे। आसिफ शेख ने बिना समय बर्बाद किए गिल्लियां उखाड़ दीं, जिससे विवाम किंग्मा सिर्फ चार रन पर रन आउट हो गए।

राहुल लंदन से भारत लौटे, मेडिकल एक्सपर्ट्स से परामर्श लेने गए थे

नई दिल्ली, 4 मार्च। राहुल को हैदराबाद टेस्ट के दौरान दाहिने क्वाड्रिसेप्स में इंजरी की शिकायत आई थी। भारतीय क्रिकेटर केएल राहुल लंदन में मेडिकल जांच कराने के बाद भारत लौट आए हैं। राहुल ने लंदन में टॉप मेडिकल एक्सपर्ट्स से परामर्श लिया। फिलहाल वे रिहैब के लिए बेंगलुरु में की नेशनल क्रिकेट अकादमी में हैं।

राहुल हैदराबाद में पहले टेस्ट के दौरान इंजर्ड हो गए थे। उन्हें दाहिने क्वाड्रिसेप्स (जांघ के ऊपरी हिस्से की मांसपेशी) में इंजरी की शिकायत आई थी। इस समय वे 2024 में लखनऊ सुपर जाइंट्स के साथ वापसी करने की तैयारी कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया, उन्हें मैदान पर वापसी करने के लिए से रिटर्न टू प्ले सर्टिफिकेट लेना होगा। पिछले साल सर्जरी करा चुके है राहुल : केएल राहुल इंग्लैंड के खिलाफ हैदराबाद में खेले गए पहले टेस्ट में इंजर्ड हुए। इसके बाद से बाकी तीन मैचों में वह नहीं खेल सके।

उन्हें हैदराबाद में खेले गए पहले टेस्ट के दौरान दाहिने क्वाड्रिसेप्स में दर्द हुआ था। जिसके लिए पिछले साल ही उनकी सर्जरी हुई थी। ऐसा माना जा रहा है कि अभी भी उन्हें कुछ परेशानी है। वहीं मैनेजमेंट टीम में उनकी दोहरी भूमिका को देखते हुए कोई रिस्क नहीं लेना चाहती। राहुल वर्ल्ड कप में भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज रहे थे। उन्होंने टीम इंडिया के पिछले साउथ अफ्रीका दौरे पर टेस्ट सीरीज में भी विकेटकीपिंग की थी।

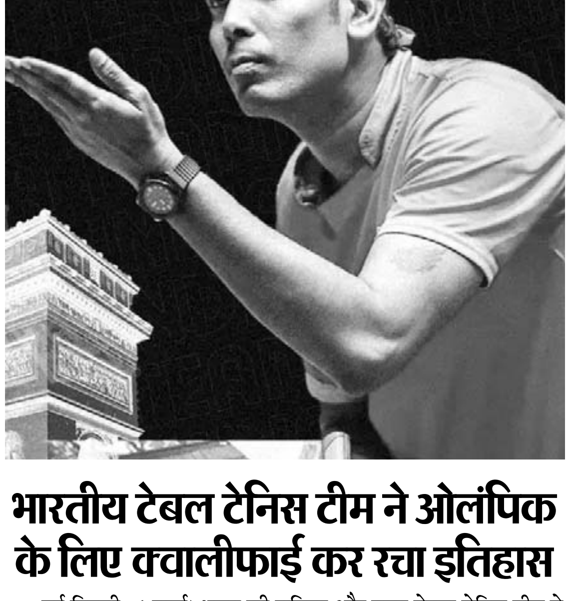

भारतीय टेबल टेनिस टीम ने ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर रचा इतिहास

नई दिल्ली, 4 मार्च। भारत की महिला और पुरुष टेबल टेनिस टीम ने आगामी ओलंपिक गेम्स के लिए क्वालिफाई कर लिया है। रैंकिंग के आधार पर महिला और पुरुष टीम को पेरिस ओलंपिक में जगह मिली है। मौजूदा समय में भारत की पुरुष टेबल टेनिस टीम 15वें और महिला टेबल टेनिस टीम 13वें स्थान पर हैं। दरअसल टीम ने पहली बार ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया है।

यस ठाकुर की नाबाद 97 रनों की पारी ने विदर्भ को संभाला

नागपुर, 4 मार्च। यश राठौड़ की नाबाद 97 रनों की पारी की मदद से रणजी ट्रॉफी के पहले सेमीफाइनल विदर्भ ने छह विकेट पर 343 रन स्कोर खड़ा कर मैच पर अपनी पकड़ बना ली है। सोमवार को तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक विदर्भ ने दूसरी पारी में छह विकेट के नुकसान पर 343 रन बना लिए हैं और उसकी बढ़त 261 रनों की हो गई। विदर्भ ने आज सुबह एक विकेट पर 13 रन के स्कोर आगे खेले हुए धैर्यपूर्ण खेल का मुजाहिरा किया। कप्तान अक्षय वाडकर 77 रन, अमन मोखाड़े 59 रन, करुण नायर 38 रन और ध्रुव शोरे 40 रन बनाकर आउट हुए। यश राठौड़ ने 165 गेंदों में 12 चौकों की मदद से नाबाद 97 रन बनाये। आवेश खान और कुलवंत खजरोलिया को एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले कल हिमांशु मंत्री की 126 रनों की शतकीय पारी की मदद से रणजी ट्रॉफी के पहले सेमीफाइनल में मध्य प्रदेश ने 252 रनों का स्कोर खड़ा करते हुए विदर्भ के खिलाफ पहली पारी के आधार पर 82रनों की बढ़त बना ली। नागपुर के विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन मैदान पर खेले जा रहे इस मुकाबले में मध्यप्रदेश के आवेश खान ने शानदार गेंदबाजी कर मुजाहिरा करते हुए विदर्भ को पहली पारी में 170 रन पर ढ़ेर कर दिया था।

कार्यालय अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता, सा.नि.वि. सम्भाग भरतपुर

क्रमांक-अमुअ/भरत/त.स./2023-24/डी-2274 दिनांक-26.02.2024

अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या 29/ (पीएमजीएसवाई वित्तीय प्रोत्साहन)/2023-24

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना (वित्तीय प्रोत्साहन) के अन्तर्गत सडक नवीनीकरण हेतु मय पांच साल की मरम्मत के लिए प्रतिशत दर के अनुसार कुल 05 पैकेज अनुमानित लागत राशि रू. 474.86 लाख के लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रकिया से अल्पकालीन ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण वेब साईट www.dipr.rajasthan.gov.in व www.pwd.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in व www.pmgsytendersraj.gov.in पर देखा जा सकता है। इछुक संवेदकों को अपने डिजीटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेब साईट www.pmgsytendersraj.gov.in पर रजिस्टर्ड होना आवश्यक है।

NIB: PWD2324A4729, UBN: PWD2324WSOB20508, PWD2324WSOB20512, PWD2324WSOB20513, PWD2324WSOB20514, PWD2324WSOB20515

अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता
सानिवि संभाग भरतपुर

DIPR/C/1720/2024

कार्यालय अधिशाषी अभियंता जल संसाधन खण्ड, दौसा

E-mail: eedausa@gmail.com

क्रमांक- निविदा/2023-24/3300 दिनांक- 29.02.2024

अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या 10 वर्ष 2023-2024

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जल संसाधन खण्ड, दौसा के विभिन्न कार्यो की अनुमानित लागत 290.00 लाख रू. है, के लिए उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 01.03.2024 दोपहर 12.00 बजे से दि. 07.03.2024 सायं 06.00 बजे तक बेची जाकर दि. 08.03.2024 को अपरान्त 3.00 बजे, खोली जावेगी। यदि किसी कारणवश उस दिन अवकाश रहता है या सम्पूर्ण निविदाऐं नहीं खोली जा सकती तो उसके अगले कार्य दिवस को उसी समय निविदा खोली जाएगी। अधोहस्ताक्षरकर्ता को सम्पूर्ण या कोई भी कार्य की निविदा बिना किसी कारण बताए स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार होगा। निविदा से संबंधित कार्यो का विवरण वेबसाइट www.waterresources.rajasthan.gov.in, & www.dipr.rajasthan.gov.in & http://sppp.raj.nic.in व कार्यालय हाजा के नोटिस बोर्ड पर कार्यालय समय में देखा जा सकता है।

UBN NO.: WRD2324WSOB02049, WRD2324WSOB02050, WRD2324WSOB02051, WRD2324WSOB02052, WRD2324WSOB02053, WRD2324WSOB02054, WRD2324WSOB02055, WRD2324WSOB02056, WRD2324WSOB02057, WRD2324WSOB02058, WRD2324WSOB02059, WRD2324WSOB02060, WRD2324WSOB02061

अधिशाषी अभियंता
जल संसाधन खण्ड, दौसा

DIPR/C/1867/2024

राजस्थान सरकार

कार्यालय आबकारी आयुक्त, राजस्थान, उदयपुर

क्रमांक-F.32(B)(1)(ए.पी.)EX/L/2024-25-03000-Part File (7)/608 दिनांक-04.03.2024

मदिरा की रिटेल ऑफ कम्पोजिट दुकानों के वर्ष 2024-25 के लिये अनुज्ञापत्र हेतु ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य सरकार की आज्ञा क्रमांक प.4/(1)वित्त/आब/2024 दिनांक 01 फरवरी 2024 के द्वारा जारी आबकारी एवं मद्य-संयम नीति वर्ष 2024-25 के प्रावधानानुसार मदिरा की रिटेल ऑफ कम्पोजिट दुकानों की ऑनलाईन ई-नीलामी के लिये विभागीय वेबसाईट https://excise.rajasthan.gov.in अथवा https://eauction.rajasthan.gov.in पर निम्नानुसार ई-बोली आमंत्रित की जाती है-

क्र.सं.	नीलामी की दिनांक	नीलामी का समय
1	09 मार्च, 2024	प्रातः 11.00 बजे से सायं 4.00 बजे तक

1 ई-नीलामी में भाग लेने के इच्छुक बोलीदाता द्वारा विभागीय वेबसाइट https://excise.rajasthan.gov.in अथवा https://eauction.rajasthan.gov.in से अपने SSO ID के माध्यम से लॉगइन करते हुए विभागीय ई-ऑक्शन पोर्टल में निर्धारित प्रक्रियानुसार एक बारीय पंजीकरण करने उपरान्त ऑनलाइन नीलामी में भाग लिया जा सकेगा। इच्छुक बोलीदाता को ई-नीलामी में भाग लेने से पूर्व सर्वप्रथम राजस्थान सरकार के पोर्टल https://sso.rajasthan.gov.in पर "Citizen" केटेगरी के अन्तर्गत SSO ID बनाना होगा।

2 कम्पोजिट दुकानों का जिलेवार एवं उनके आवेदन शुल्क, न्यूनतम रिजर्व प्राईस एवं अमानत राशि का विवरण विभागीय वेबसाईट https://excise.rajasthan.gov.in अथवा https://eauction.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध रहेगा।

3 नीलामी के सम्बन्ध में विस्तृत दिशा निर्देश व इनमें संशोधन https://excise.rajasthan.gov.in अथवा https://eauction.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। अन्य जानकारी हेतु संबंधित अतिरिक्त आयुक्त जोन, जिला आबकारी अधिकारी एवं जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है।

4 ई-नीलामी के संबंध में अन्य सभी प्रावधान आबकारी एवं मद्यसंयम नीति वर्ष 2024-25 तथा राजस्थान आबकारी अधिनियम 1950 एवं इसके अन्तर्गत बने नियम के अनुसार रहेंगे।

5 नीलामी की अन्य शर्ते पूर्वानुसार रहेगी।

DIPR/C/______/2024 आबकारी आयुक्त, राजस्थान

4.4 करोड़ की पैनल्टी "अंडर-प्रोटेस्ट" भरना स्वीकार किया टोंक के बजरी खनन लीज़धारियों ने

लीज़धारियों का कहना है कि, उन्होंने पैनल्टी की राशि इस शर्त पर भरी है कि, विभाग उनका पक्ष सुने और तर्कसंगत फैसला ले

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 4 मार्च। राज्य के खनन विभाग की ओर से प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में अवैध बजरी खनन रोकने के लिए जनवरी माह में अभियान शुरू किया गया था। इस अभियान के दौरान खनन विभाग ने टोंक जिले में बजरी खनन कर रहे लीज़धारियों का औचक निरीक्षण किया था और पाया था कि लीज़धारियों के पास घोषित 'स्टॉक पाइल' से कई अधिक टन बजरी थी।

इस संदर्भ में विभाग द्वारा उक्त खनन लीज़धारियों के खिलाफ 31 जनवरी और 1 फरवरी को अतिरिक्त स्टॉक को सीज़ करने और पैनल्टी लगाने के आदेश पारित किए गए थे। खनन विभाग द्वारा 12 फरवरी को उक्त लीज़धारियों को 'शो-कॉज़ नोटिस' भी भेजा गया था। विभाग की इस कार्यवाही के खिलाफ लीज़धारी प्रदीप सेठी और अमन सेठी ने अदालत का दरवाजा खटखटाया था। उक्त मामले पर सुनवाई करते हुए दोनों लीज़धारी याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि वह पैनल्टी लगाने के आदेश पर अपनी आपत्ति व्यक्त करते हैं लेकिन पैनल्टी की राशि, जो करीब 4.4 करोड़ रूपये बताई जा रही है, को विभाग में जमा करेंगे बशर्ते विभाग उनके पक्ष को सुने और फिर तर्क संगत निर्णय करे कि किसी भी कानून का उल्लंघन किया गया है या नहीं।

■ अदालत ने विभाग को याचिकाकर्ता, बजरी खनन लीज़धारी का पक्ष सुन कर 15 दिन में फैसला देने को कहा है। अदालत के आदेश में यह भी तय है कि, याचिकाकर्ता लीज़धारी विभाग के निर्णय को हाई कोर्ट में पुनः चुनौती दे सकते हैं।

न्यायाधीश महेन्द्र कुमार गोयल ने विभाग को कहा है कि वह याचिकाकर्ताओं को 'शो-कॉज़ नोटिस' पर अपना जवाब प्रस्तुत करने के लिए सात दिन का समय दे और फिर 15 दिन में जांच कर अपना निर्णय लें। अदालत के आदेश से यह भी स्पष्ट है कि याचिकाकर्ता विभाग के निर्णय को हाईकोर्ट में पुनः चुनौती दे सकते हैं। इस मामले में याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कमलाकर शर्मा व वरिष्ठ ए.के. शर्मा पैरवी के लिए पेश हुए थे। और यह याचिकाएं अधिवक्ता संदीप सिंह शेखावत की ओर से दायर की गई थीं। संदीप सिंह शेखावत ने बताया कि विभाग द्वारा जब्त की गई बजरी की मात्रा अंकित करने में बार-बार बदलाव किए गए, जिससे पैनल्टी की राशि पहले 80 करोड़ रूपये बताई गई थी फिर उसे घटा कर 15 से 17 करोड़ रूपये बताया गया और अंतः यह राशि 4 से 6 करोड़ रूपये के बीच बताई गई। उन्होंने कहा कि विभाग ने बजरी का घनत्व (डैन्सिटी, जिसके अनुसार पैनल्टी तय की जाती है) जाँचने में भी गलतियां कीं।

उन्होंने कहा कि इस घनत्व की जांच केवल एन.ए.बी.एल. द्वारा प्रमाणित लैब में की जा सकती है और इस नियम की भी यहां पालना नहीं की गई। उन्होंने कहा कि जब तक यह मामला अदालत में लंबित रहता, तब तक उन्हें खनन गतिविधि की अनुमति नहीं मिल पाती और उनकी लीज़ अवधि का समय जाया होता रहता। इसलिए याचिकाकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शित करते हुए पैनल्टी की राशि भरी है और अब अपना पक्ष विभाग के समक्ष रखेंगे।

भारतीय वैज्ञानिक ने खोजा नया बैक्टीरिया

-जाल खंबाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मार्च। असम के मूल निवासी एवं न्यूज़ीलैण्ड की ऑकलैण्ड यूनिवर्सिटी के माइक्रोबायोलॉजिस्ट व अनुसंधानकर्ता डॉ. बिकिरम परदेसी और उनकी टीम ने एक नए बैक्टीरिया की खोज करने के लिए भारी सराहना मिली है। वह दिल्ली के अग्रणी पत्रकार एवं घनश्याम परदेसी के पुत्र हैं। घनश्याम परदेसी व स्टेट्समैन, द टैलीग्राफ, यू.एन.आई. और मेनस्ट्रीम मीडिया से जुड़े हुए थे। उनकी मां दीपिका परदेसी गुवाहाटी शिफ्ट हो गई थीं और डॉ. बिकिरम की शिक्षा-दीक्षा भी गुवाहाटी में ही हुई।

डॉ. बिकिरम परदेसी ने भारत के प्रतिष्ठित मायक्रो बायलॉजिस्ट डॉ. आनंद मोहन चक्रबार्ती के सम्मान में नए खोजे गए इस बैक्टीरिया का नाम "चक्रबरतायेला" रखा है। यह बैक्टीरिया ऑस्ट्रेलिया व न्यूज़ीलैंड के समीपवर्ती महासागर में एक मछली की आंतों में पाया गया और कोरल सरवाइवल में अहम् भूमिका निभाता है।

यह उल्लेखनीय खोज "इन्टरनैशनल जर्नल ऑफ सिस्टैमिक एण्ड इवोलूशनरी माइकोबायलॉजी" में छपी है। इससे ना केवल बैक्टीरिया की नई प्रजातियों की उपस्थिति के बारे में पता चलता है, बल्कि यह अपने आप में एक नये वंश या अन्य शब्दों में प्रजातियों का एक समूह है।

'सदन में वोट देने के एवज में रिश्वत लेने पर सांसदों, विधायकों को कोई संरक्षण नहीं'

सुप्रीम कोर्ट ने 1998 के एक मामले में अपने ही फैसले को पलटते हुए कहा कि, रिश्वत खोरी संसदीय विशेषाधिकारों द्वारा संरक्षित नहीं

नयी दिल्ली, 04 मार्च। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को संसदीय 1998 के पीवी नरसिम्हा राव मामले में अपने फैसले को पलटते हुए कहा कि, रिश्वतखोरी विशेषाधिकारों द्वारा संरक्षित नहीं है। मुख्य न्यायाधीश डी. वाय चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली, न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना, न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने यह सर्वसम्मत फैसला दिया।

पीठ ने माना कि, संविधान के अनुच्छेद 105 या 194 के तहत रिश्वतखोरी को छूट नहीं दी गई है, क्योंकि रिश्वतखोरी में लिप्त एक सदस्य एक आपराधिक कृत्य में शामिल होता है।

■ सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला 1998 के पी.वी. नरसिम्हा राव सरकार के कार्यकाल संसद में वोट देने के एवज में झारखंड मुक्ति के नेताओं द्वारा रिश्वत लिए जाने के मामले में दिया है।

सात सदस्यीय पीठ ने कहा, हम मानते हैं कि रिश्वतखोरी संसदीय विशेषाधिकारों द्वारा संरक्षित नहीं है। भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी भारतीय संसदीय प्रणाली के कामकाज को नष्ट कर देती है। पीठ ने अपने सर्वसम्मत फैसले से, 1998 के जे.एम.एम. रिश्वत मामले के नाम से चर्चित मामले में शीर्ष अदालत की पांच सदस्यीय पीठ के बहुमत के फैसले से असहमति जताई। पीठ ने कहा कि, राज्यसभा चुनाव में वोट देने के लिए रिश्वत लेने वाले विधायक पर भी भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा चलाया जा सकता है। पांच सदस्यीय संविधान पीठ के 3:2 के बहुमत फैसले में व्यापक प्रभाव और सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी के लिए संसद में मतदान के लिए रिश्वतखोरी के खिलाफ मुकदमा चलाने से सांसदों को छूट दी गई थी।

सात सदस्यीय पीठ ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सिबू सोरेन की बहू सीता सोरेन की याचिका पर 5 अक्टूबर 2023 को फैसला सुरक्षित रख लिया था।

'अखबारी कागज़ से 5 प्रतिशत सीमा शुल्क हटाया जाए'

नयी दिल्ली, 04 मार्च। इंडियन न्यूज़पेपर सोसाइटी (आई.एन.एस.) ने सरकार से अखबारी कागज पर पांच प्रतिशत सीमा शुल्क लगाने के फैसले पर पुनर्विचार करने की अपील करते हुये कहा है कि, यह देश में प्रिंट मीडिया उद्योग के अस्तित्व के लिये जरूरी है।

आई.एन.एस. ने यहां जारी एक विज्ञप्ति में कहा, दुनिया भर के साथ-साथ भारत में भी कई न्यूज़प्रिंट मिलों ने या तो अपना परिचालन निलंबित कर दिया है या फिर न्यूज़प्रिंट उत्पादन पूरी तरह से बंद कर दिया है, जिससे देश भर में न्यूज़प्रिंट की आपूर्ति की निरंतरता को लेकर चिंता की लकीरें खिंच गयी हैं।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि, यदि यह शुल्क वापस ले लिया जाता है, तो प्रिंट मीडिया उद्योग को बहुत राहत मिलेगी। इससे प्रकाशकों को अपनी परिचालन लागत को अधिक प्रभावी ढंग से व्यवस्थित करने और जनता के लिये विश्वसनीय समाचार और सूचना का निरंतर प्रसार सुनिश्चित करने में सहूलियत होगी।

■ इंडियन न्यूज़ पेपर सोसायटी ने कहा कि, 5 प्रतिशत सीमा शुल्क हटाना प्रिंट मीडिया के लिए बेहद जरूरी है।

आई.एन.एस. के अनुसार, अखबारी कागज की कीमत और उपलब्धता की मौजूदा स्थिति वैश्विक भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, तार्किक पेचीदगियों, रुपये के मूल्यह्रास और अखबारी कागज पर प्रचलित सीमा शुल्क जैसे विभिन्न कारकों के संयोजन के कारण है। इससे देश में प्रकाशकों पर भारी बोझ पड़ गया है। रुपए की कीमत में कमी आने से प्रिंट मीडिया क्षेत्र जैसे आयात-निर्भर उद्योगों पर दबाव बढ़ गया है।

आई.एन.एस. ने कहा है वह इन हालातों के मद्देनजर सरकार से अपील करती है कि, अखबारी कागज़ पर पांच प्रतिशत सीमा शुल्क लगाने के फैसले पर पुनर्विचार करे। जिससे प्रिंट मीडिया बिना किसी अन्य बोझ के सुचारू रूप से चल सके।

बैंगलोर में बम...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैं, जिन्होंने एन.ओ.सी. दी है? क्या वे ऐसी रिपोर्ट देने के लिये अधिकृत हैं? हम सारी जांच करेंगे।" भाजपा, कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा राज्यसभा चुनाव में पार्टी के नेता नसीर हुसैन की जीत का उत्सव मनाते हुए, विधानसभा के बाहर "पाकिस्तान जिन्दाबाद" के कथित नारे लगाने का विरोध कर रही है। भाजपा ने कहा, "विधानसभा के बाहर जिसने "पाकिस्तान जिन्दाबाद" के नारे लगाने शुरु किये थे, वह एफ.एस.एल. रिपोर्ट में स्पष्ट हो चुका है। कर्नाटक कांग्रेस तथा उत्सवी फेक न्यूज फैक्ट्री की मुखिया, प्रियंका खड़गे को अब अपने देशद्रोही कृत्य को स्वीकार करना चाहिये और विधानसभा के बाहर दंडवत होकर जनता से माफी मांगनी चाहिये।"

'आप आम आदमी नहीं है, एक मंत्री हैं, आपको परिणाम पता होना चाहिए'

सुप्रीम कोर्ट ने उदयनिधि स्टालिन को सनातन धर्म पर टिप्पणी के लिए फटकारा

नयी दिल्ली, 04 मार्च। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन की, उनके सनातन धर्म विरोधी कथित बयान के खिलाफ विभिन्न राज्यों में दर्ज मुकदमों को एक जगह करने का निर्देश देने की उनकी याचिका पर सुनवाई के दौरान खिंचाई की और कहा कि, एक मंत्री के रूप में उन्हें परिणामों के बारे में पता होना चाहिए था। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने शुरू से कड़ा रुख अपनाते हुए स्टालिन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी से मौखिक रूप से कहा कि, उन्हें राहत के लिए संबंधित उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाना चाहिए। पीठ ने हालांकि, वरिष्ठ अधिवक्ता सिंघवी के द्वारा, विभिन्न मामलों में अदालत के रुख का हवाला देते हुए राहत की गुहार के बाद याचिका पर 15 मार्च को सुनवाई के लिए सहमति जताई।

■ जस्टिस संजीव खन्ना और दीपांकर दत्ता की पीठ ने शुरू से ही कड़ा रूख अपना रखा और कहा, आपने भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का दुरूपयोग किया है। मामले की अगली सुनवाई 15 मार्च को होगी।

पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा, "आपने (स्टालिन) संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अपने अधिकार का दुरुपयोग किया। आपने धार्मिक स्वतंत्रता के लिए अनुच्छेद 25 के तहत अपने अधिकार का दुरुपयोग किया और अब आप संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत अपने अधिकार का प्रयोग कर रहे हैं?"

पीठ ने (स्टालिन के सनातन धर्म वाले बयान पर) कहा, "आप आम आदमी नहीं हैं, आप एक मंत्री हैं, आपको परिणाम पता होना चाहिए। आपने जो कहा क्या उसके नतीजे आप नहीं जानते।" उदयनिधि स्टालिन तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के बेटे हैं। आरोप है कि उन्होंने दो सितंबर 2023 को सनातन धर्म उन्मूलन सम्मेलन के संबंध में आयोजित एक बैठक में कथित तौर पर हिंदू धर्म के खिलाफ नफरत भरा भाषण दिया था।

उनके वकील सिंघवी ने अदालत के समक्ष कहा कि इस मामले में स्टालिन के खिलाफ उत्तर प्रदेश, बेंगलुरु, पटना, जम्मू और अन्य राज्यों में प्राथमिकी दर्ज हैं। यह अभियोजन पक्ष का उत्पीड़न है। वरिष्ठ वकील ने मुकदमों को एक जगह करने के लिए अर्नब गोस्वामी, मोहम्मद जुबैर, अमीश देवगन, नूपुर शर्मा के मुकदमों से संबंधित शीर्ष अदालत के पिछले फैसलों का भी हवाला दिया।

लालू यादव का मोदी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

था कि "यदि नरेन्द्र मोदी का स्वयं का कोई परिवार नहीं है तो हम क्या कर सकते हैं? वह राम मंदिर को लेकर डींग हांकते रहते हैं, लेकिन वह सच्चे हिन्दू नहीं हैं। हिन्दू परम्परा में अपनी मां के स्वर्गवास पर पुत्र को अपनी दाढ़ी और सिर के बाल कटाने पढ़ते हैं और अपनी मां के निधन पर मोदी ने ऐसा नहीं किया।" कांग्रेस नेताओं ने भी इस विवाद में कूदते हुए तर्क दिया कि भाजपा के अभियान से संकेत मिलता है कि भाजपा के नेता संघ परिवार के प्रति अपनी निष्ठा को बदलकर अब "मोदी परिवार" के प्रति कर रहे हैं।

कांग्रेस के सीनियर नेता दिग्विजय सिंह ने भाजपा पर चुटकी लेते हुए कहा कि "भाजपा अब परिवारवाद के बारे में बात नहीं कर सकती।" मध्य प्रदेश के कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि भाजपा के जीवन मूल्य और सिद्धांत बदल गए हैं। ये हर किसी को बेवकूफ बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इससे पहले ये लोग कहते थे कि उनके लिए देश प्रथम है, फिर पार्टी को प्रथम बताने लगे और फिर नेता को। पहले यह संघ परिवार हुआ करता था, अब यह मोदी परिवार है।"

इन टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा के सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि "विपक्ष प्रधानमंत्री से ईर्ष्या रखता है। हम वर्षों से देखते आ रहे हैं कि विपक्ष ईर्ष्या, द्वेष और हीन भावना के साथ प्रधानमंत्री मोदी के लिए अपमानजनक व अप्रिय बयानबाजी करता रहा है। मैं हर किसी को यह याद दिलाना चाहता हूँ कि प्रधानमंत्री मोदी के लिए पूरा देश ही उनका परिवार है।"

वीडियो कॉन्फ्रैंसिंग से ई.डी. के सवालों का जवाब देंगे केजरीवाल

नई दिल्ली, 4 मार्च। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आबकारी नीति मामले से संबंधित प्रवर्तन निदेशालय (ई.डी.) के ताजा समन का जवाब देते हुए कहा था कि वह, 12 मार्च के बाद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एजेंसी के सामने पेश होने के लिए तैयार हैं। सूत्रों के अनुसार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए केजरीवाल से पूछताछ के लिए एजेंसी तैयार नहीं है।

ज्ञातव्य है कि, दिल्ली शराब घोटाले में अरविंद केजरीवाल से ईडी फिजिकली पूछताछ करना चाहती है। इससे पहले मुख्यमंत्री को 8 बार ईडी द्वारा समन जारी किया जा चुका है, लेकिन केजरीवाल एक भी बार ईडी के दफ्तर नहीं पहुंचे। सूत्रों के मुताबिक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पूछताछ का कोई भी प्रावधान नहीं है। इस मामले पर भाजपा के प्रवक्ता शहजाद पूनावाल ने बयान दिया है।

■ ई.डी. दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को 8 बार सम्मन भेज चुका है, पर केजरीवाल एक बार भी ई.डी. के दफ्तर नहीं पहुंचे।

उन्होंने कहा कि यह बिल्कुल बेतुका है कि जिस व्यक्ति पर शराब घोटाले का मास्टरमाइंड होने का गंभीर आरोप है, अब वह तय करेगा कि वह कब पेश होगा। केजरीवाल जिस तरह से ईडी के सामने पेश होने की बात कह रहे हैं, कानून में ऐसा कभी सुना नहीं गया है। जब अन्ना हजारे के संरक्षण में अरविंद केजरीवाल थे, तो वो कहते थे कि पहले इस्तीफा फिर जांच की जाए।

मायावती इण्डिया...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को शामिल किया जा सकता है और आगामी लोकसभा में उत्तर प्रदेश में उन्हें 25 सीटें आवंटित की जाएगी जबकि समाजवादी पार्टी 38 पर एवं कांग्रेस 17 पर चुनाव लड़ सकती है।

खबर है कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अखिलेश को मनाया कि भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ संयुक्त रूप से संघर्ष करने व उसे चुनावों में परास्त करने के लिए बसपा गठबंधन में साथ लेना चाहिए।

ऐसे भी कयास लगाए जा रहे हैं कि सोनिया गांधी 9 मार्च को संयुक्त गठबंधन की तरफ से प्रधानमंत्री के चेहरे के रूप में मायावती के नाम की घोषणा कर सकती है। हालांकि, इस मामले में अब तक बहुजन समाज पार्टी की तरफ से कुछ भी संकेत नहीं दिया गया है।

इस कयास के पीछे सूत्रों का कहना है कि इंडिया गठबंधन की कई सहयोगी पार्टियां राहुल गांधी को प्रधानमंत्री के चेहरे के रूप में स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं, जबकि सभी सहयोगी दल मायावती को इस शीर्ष पद के लिए दलित नेता के बतौर स्वीकार करने को तैयार हो जाएंगे।

शाजापुर में आज राहुल गांधी का रोड शो

भोपाल, 04 मार्च। मध्यप्रदेश के शाजापुर में 5 मार्च को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी का रोड शो होगा। कांग्रेस की जानकारी के अनुसार, गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का 5 मार्च को सुबह 8.30 बजे पचौर में स्वागत होगा, तत्पश्चात् सुबह 9.30 बजे सारंगपुर में स्वागत होगा। पूर्वान्ह 11.30 बजे से शाजापुर टंकी चौराहा से एचपी पेट्रोल पंप तक रोड-शो के बाद दोपहर 12 बजे मक्सी में न्याय यात्रा का स्वागत होगा। प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष के.के. मिश्रा ने बताया कि दोपहर भोज के दौरान दोपहर 12.30 बजे विद्या संस्कार इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल मक्सी जिला शाजापुर में दोपहर भोज के साथ-साथ परीक्षार्थी संवाद और पत्रकार वार्ता होगी। न्याय यात्रा का अगला पड़ाव कायथा, विजयगंज मंडी होते हुये उज्जैन के महाकाल मंदिर पहुंचेगा, जहां राहुल गांधी महाकाल मंदिर में दर्शनार्थ हेतु जायेंगे।

■ राहुल की न्याय यात्रा इन दिनों मध्य प्रदेश में है। रोड शो के बाद राहुल गांधी अगले दिन उज्जैन जाएंगे और महाकाल मंदिर में दर्शन करेंगे।

शाहबाज़ ने पाक के प्र.मंत्री पद की शपथ ली

इस्लामाबाद, 04 मार्च। पूर्व प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने सोमवार दोपहर राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में पाकिस्तान के 24वें निर्वाचित प्रधान मंत्री के रूप में शपथ ली। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में यह जानकारी दी गयी। राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने समारोह में नवनिर्वाचित प्रधान मंत्री को पद की शपथ दिलाई।

चुनाव के बाद चुनावी बॉण्ड की जानकारी देगा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एस.बी.आई. से चुनावी बॉन्ड के मूल्य, उनका मूल्य व भुनाने की तारीख का ब्यौरा मांगा था।

सर्वोच्च न्यायालय ने इसके लिए 6 मार्च की तारीख दी थी। अगर इस अवधि को बढ़ाकर 30 जून किया जाता है तो इसका अर्थ होगा कि जब तक जानकारी सामने आएगी तब तक चुनाव नतीजे घोषित हो चुके होंगे। स्पष्ट रूप से यह कदम भाजपा को बचाने के लिए उठाया गया है जो कि चुनावी बॉन्ड पाने वालों में सबसे ऊपर है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि जानकारी जुटाने और उसे मैच कराने में काफी समय लगेगा। गत माह सुप्रीम कोर्ट ने अपने एतिहासिक फैसले में सत्तारूढ़ पार्टी को भारी झटका देते हुए राजनैतिक फंडिंग की चुनावी बॉन्ड योजना को रद्द कर दिया और कहा कि यह बोलने और अभिव्यक्ति की आज़ादी के अधिकार और सूचना के अधिकार का उल्लंघन करता है। चुनावी बॉन्ड योजना 2017-18 के बजट में राजनैतिक दलों को आर्थिक सहायता देने के लिए घोषित की गई थी।

'15 जून तक मुख्यालय खाली करे...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुप्रीम कोर्ट ने आदेश की घोषणा करते हुए पार्टी को अपना मुख्यालय रिक्त करने के लिए 15 जून की अंतिम तारीख दी है। पार्टी को वैकल्पिक स्थान के लिए केन्द्र सरकार के भूमि व विकास कार्यालय में आवेदन करने की अनुमति प्रदान की गई है।

फरवरी में, शीर्ष अदालत ने यह देखा कि आप के कार्यालय ने ज़मीन पर अतिक्रमण किया हुआ है कोर्ट ने हैरानी व्यक्त की और नाराज़गी जाहिर करते हुए कहा कि आप पार्टी उस भूमि पर अतिक्रमण कर रही है जो मूल रूप से दिल्ली हाई कोर्ट को उसके बुनियादी ढांचागत विस्तार के लिए आवंटित की हुई थी। मामले की सुनवाई के दौरान, भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाय. चन्द्रचूड़ ने कहा "कोई भी व्यक्ति कानून अपने हाथ में नहीं ले सकता। और एक राजनीतिक दल उस भूमि पर कैसे जमकर बैठ सकता है? बिना कब्जे वाला भाग हाई कोर्ट को अवश्य दिया जाना चाहिए।

पार्टी ने आरोपों से इनकार किया और केन्द्र सरकार पर आरोप लगाया कि उसने शीर्ष अदालत को गुमराह करने के लिए गलत जानकारी पेश की है।

पार्टी के द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि "आम आदमी पार्टी इस आरोप का पुरजोर और स्पष्ट रूप से खंडन करती है कि पार्टी का दिल्ली में राउज़ एवेन्यू कोर्ट स्थित पार्टी मुख्यालय अतिक्रमण की हुई भूमि पर बनाया हुआ है। यह बहुत ही भयावह स्थिति है कि केन्द्र सरकार ने माननीय सुप्रीम कोर्ट को गुमराह करने के लिए कोर्ट में असत्य तथ्य प्रस्तुत किए हैं। हम इस मामले से संबंधित उचित दस्तावेज माननीय अदालत के समक्ष पेश करेंगे जिससे स्पष्ट रूप से पता चल जाएगा कि आम आदमी पार्टी को तथाकथित भूमि दिल्ली सरकार द्वारा आवंटित की गई थी। ध्यान देने वाली बात यह है कि यही भूमि वर्ष 1992 में आई.ए.एस. व तीन मंत्रियों को आवंटित की गई थी। कुछ भी हो, यहां किसी भी प्रकार का कोई अतिक्रमण नहीं किया गया है।"

"भद्रलोक" की बगावत का संकेत है, न्यायाधीश गांगुली की "जुडिशिएरी"...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकिन तब वामपंथियों के दबदबे के साथ राजनीति के "प्लबिअनाइजेशन" की प्रक्रिया शुरु हो गई थी। कुछ ऐसे लोगों के पास सत्ता की वास्तविक ताकत थी जो पूर्व के नेताओं की तरह अभिजात्य पृष्ठभूमि अर्थात "भद्रलोक" से नहीं थे। लेकिन उनका शैक्षणिक स्तर बेहतरीन था। उस समय के कुछ विद्वानों ने तो आंदोलन में भाग लिया था। इसी के साथ इसमें भी काई संदेह नहीं है कि कुछ ऐसे लोग भी आगे आए जिन्हें अभिजात्य वर्ग के मूल्यों से कोई मतलब नहीं था।

वाम मोर्चा की प्लबिअन राजनीति ने बहुत जल्दी ही अगली पीढ़ी के नेताओं की चोरी में बदल गई। अगर कोई एक व्यक्ति, भद्रलोक राजनीतिज्ञों के वर्ग के शिखर पर पहुंचे थे, वह थे समृद्ध, सुशिक्षित और नामी वकील सिद्धार्थ शंकर रे। रे विख्यात वकील सी.आर. दास के नाती थे जो कलकत्ता हाई कोर्ट के 1920 के दशक में सफलतम वकीलों में से एक थे। उन्होंने अपने एक कैबिनेट सहयोगी को भ्रष्टाचार के कारण जेल भेजा था। रे ने अपनी राजनीति की शुरुआत वामपंथियों के साथ की थी, पर वे बाद में कांग्रेस की मुख्यधारा की राजनीति की तरफ झुक गए थे।

फिर बदलाव हुआ क्योंकि वामपंथी दल सत्ता में आ गए थे। इसमें उच्च स्तर पर तो अभिजात्य वर्ग के लोग थे, पर पार्टी के निचले स्तर के लोग मामूली पृष्ठभूमि के थे। इनमें से कई बेहद गरीब थे और उनके पास आर्थिक सम्बल नहीं था। इसका अर्थ यह नहीं है कि गरीब तबके से आए लोग पूरी तरह से भ्रष्ट हों, ये जरूरी भी नहीं है। गरीब वर्ग से कुछ नेता व राजनीतिज्ञों का आचरण बेहद उच्च था और उन्हें वित्तीय गड़बड़ी का दोषी नहीं ठहराया जा सकता था।

यह प्राचीन आदर्श था और जिसमें गरीबी को बहुत ज्यादा महिमा मंडित किया गया था, पर अब यह पुराना हो गया है। आपने सुना ही होगा। "सादा जीवन उच्च विचार" जैसे वाक्य पर आज के माहौल में इनका मज़ाक उड़ाया जाता है। वामपंथी शासन के बाद के दिनों में कुछ पार्टी तत्वों द्वारा निजी तौर पर आर्थिक फायदा कमाए जाने के बारे में अफवाहें उड़ी थी जो कि वाम मार्चा के शुरुआती दिनों में टॉप पर था।

■ पर, इस स्थिति में आमूल परिवर्तन आया, ममता बनर्जी के आगमन से। वे साधारण मध्यवर्गीय परिवार की युवती थीं तथा उनके राजनीतिक समर्थक भी इसी पृष्ठभूमि से थे। अपने समर्थकों की निष्ठा व वफादारी पाने के लिये ममता बनर्जी का "गिव अवे" (मिल बैठक कर सरकारी धन व सुविधाएं बांटने) का कल्चर शुरू हो गया, जिसका हाई पॉइंट था, "संदेशखाली" प्रकरण।

■ पर, अब पदासीन हाई कोर्ट के जज व पार्टी के शक्तिशाली महारथी का इस्तीफा इस "मिल बांट" कर खाने के खिलाफ बगावत का संकेत है, जो "भद्रलोक" सभ्यता व मान्यताओं की वापसी चाहता है, जहां जनता, राजनीतिक नेताओं को आदर व कुछ श्रद्धा से भी देखती थी।

लेकिन जब तृणमूल कांग्रेस सत्ता में आई और इसने अपनी पकड़ बना जी तब तक भारी परिवर्तन देखने को मिला। ममता बनर्जी खुद भी अच्छे समृद्ध परिवार से नहीं आईं थी।

उन्होंने समर्थन और सहानुभूति हासिल करने के लिए "देने" की राजनीति शुरु की और दुख की बात है कि अपने समर्थकों में उन्होंने जो लालच पैदा किया था उस ने समूची पार्टी का लपेटे में ले लिया। यह सब इसलिए हुआ क्योंकि निजी तौर पर सत्ता हासिल करने के अलावा उनकी कोई राजनीतिक विचारधारा नहीं थी। सत्ता हासिल करने और सत्ता पर पकड़ बनाए रखने की ललक में वो पूरी तरह से "देने" (पैसे बांटने) की राजनीति पर बहुत ज्यादा निर्भर हो गईं। चूंकि बंगाल की अर्थव्यवस्था पहले ही ठप्प हो गई थी और सम्मान के साथ आजीविका कमा पाने की संभावनाएं बहुत कम रह गईं थी। उन हालात में जो भी लाभ पहुंचाया गया उसे आभार के साथ स्वीकार किया गया। अब लोग बहुत बेसब्री से इन तोहफों की प्रतीक्षा करते हैं, चाहे ममता बनर्जी को ये अपनी जेब से ही क्यों न देने पड़े। यही नहीं अपने भाषणों में भी वो हमेशा यही कहती हैं कि किस तरह से वो लोगों को रुपए बांटती हैं।

उनकी नीति विहिन राजनीति का दूसरा प्रमुख घटक है लोकतांत्रित प्रक्रिया को कमज़ोर बनाना और संस्थानों पर नियंत्रण कर लेना। उन्होंने अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए राज्य प्रशासन को हथियार बनाया है और चुनाव व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए वे पुलिस का भी इस्तेमाल करती है। इस प्रक्रिया का चरम हाल ही में तब दिखा जब वरिष्ठ मंत्रियों, पार्टी पदाधिकारियों द्वारा बड़े पैमाने पर चोरी करने और आम लोगों पर हमले करने की बातें सामने आईं। अब वे इतनी शक्तिहीन हैं कि इसमें दखल नहीं दे सकतीं। क्योंकि चुनाव जीतने के लिए वे इन्हीं तत्वों पर निर्भर हैं।

जिस घटना ने जनता का सब्र तोड़ दिया वह थी संदेशखाली की घटना, जिसने तृणमूल के कट्टर समर्थकों में भी बगावत पैदा कर दी जैसे तापस रॉय उन्होंने हिंसा व डराने धमकाने की कई घटनाओं पर से पर्दा उठाया। तापस तृणमूल के शुरुआती दिनों में पार्टी में थे।

अब जस्टिस गांगुली ने अपराधिक राजनीति और खुले आम चोरी के खतरों के खिलाफ उठ खड़े होने की बात कही है। उन्होंने शिक्षित मध्यम वर्ग से राजनीति में आने व अपने हाथों में नियंत्रण लेने की अपील की।

तीसरी बार संसद का चुनाव लड़ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जाते हैं। पहली बार भाजपा ने केरल और उत्तर प्रदेश से मुसलमान को टिकट दिया है। भाजपा सूत्रों का कहना है कि, आगे भी मुसलमानों को और टिकट दिए जा सकते हैं। माना जा रहा है कि, पटना में तेजस्वी यादव की भारी रैली के बाद, भाजपा को बिहार में कुछ सीटें खोने की चिंता है और महाराष्ट्र को लेकर भी यही चिंताएं हैं, जहाँ उद्धव ठाकरे, शरद पवार का गठबंधन जमीनी स्तर पर बहुत मजबूत है।

■ क्या इस बार टिकट वितरण में मोदी द्वारा उदारवादी सोच अपनाने को मजबूर होने का कारण, जमीनी स्थिति है और तेजस्वी यादव की पटना में इण्डिया गठबंधन के लिये आयोजित विशाल रैली। महाराष्ट्र में कांग्रेस, शरद पवार की पार्टी व शिव सेना (उद्धव ठाकरे) की बढ़ती पकड़ ने भाजपा को सचेत किया है कि, छवि परिवर्तन बिना 400 सीट का लक्ष्य पाना कठिन है।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908